RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः160, बुधवार , 18 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

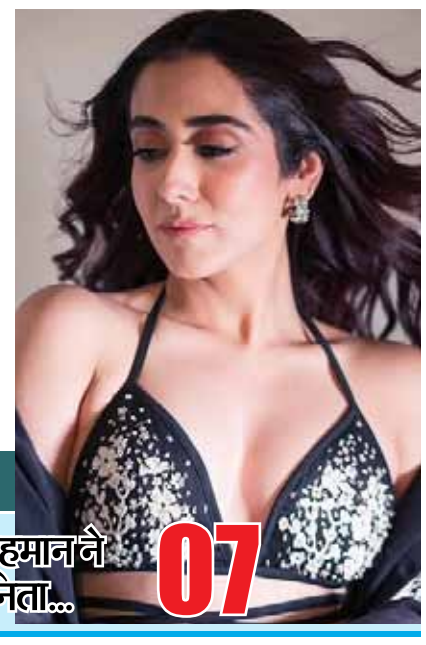

डीजीपी विनय कुमार को 'बिहार गौरव सम्मान', मीडिया को बताया लोकतंत्र की मज़बूत आवाज़ 03

वायरल वीडियो के बाद एक्शन, हथियार लहराने वाला युवक गिरफ्तार, घर से देशी राइफल और गोली बरामद 04

मेरी गुनगुनाहट से ही एआर रहमान ने बना लिया था पूरा गानाः जोनिता... 07

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर 1 जुलाई से नहीं उड़ेंगे ड्रोन

● जम्मू-कश्मीर सरकार ने 'नो फ्लाई जोन' घोषित किया ● सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर करने के लिए हुआ फैसला

श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार ने पूरे यात्रा मार्ग को 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित किया है। यह फैसला पहलगाम हमले को ध्यान में रखकर लिया गया है। इसके तहत अमरनाथ यात्रा के पहलगाम और बालटाल वाले दोनों रास्तों पर हर तरह के हवाई उपकरण- ड्रोन, यूएवी, और गुब्बारे प्रतिबंधित रहेंगे। यह फैसला 1 जुलाई से 10 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। यात्रा 3 जुलाई से 9 अगस्त तक चलेगी। हालांकि, ये प्रतिबंध मेडिकल इवैक्युएशन, आपदा प्रबंधन और सुरक्षा बलों की तरफ से की जा रही निगरानी उड़ानों पर लागू नहीं होंगे। इनके लिए एक अलग स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जल्द ही जारी की जाएगी। काफिले की सुरक्षा के लिए पहली बार जैमर लगाए जा रहे हैं, जिसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल सुरक्षा प्रदान करेगी। सशस्त्र बलों की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। लगभग 42000 से 58,000 जवान तैनात होंगे। यात्रा रूट पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए 156 कंपनियां पहले से जम्मू-कश्मीर में तैनात थीं, जबकि 425 नई कंपनियों को

10 जून तक तैनात किया जाएगा। श्रद्धालुओं को कंधे पर बिठाकर ले जाने वाले पोनी वालों का वैरिफिकेशन होगा। क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले पोनी/पिट्ठू सर्विस चलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन घोड़े-खच्चर को भी टैगिंग की गई है, जिन पर बैठकर श्रद्धालु यात्रा पर जाएंगे। ताकि रूट से हटने पर उन्हें रियल टाइम ट्रैक किया जा सके। रोड ओपनिंग पार्टी, खतरों पर तुरंत एक्शन के लिए क्विक एक्शन टीम, बॉम्ब डिफ्यूजल स्क्वॉड, के 9 यूनिट्स (विशेष रूप से प्रशिक्षित खोजी कुत्ते) और ड्रोन से निगरानी होगी। अमरनाथ तीर्थयात्रियों पर पहले भी कई आतंकवादी हमले हो चुके हैं। अगस्त 2000 में नुनवान बेस कैंप पर हुए आतंकवादी हमले में दो दर्जन अमरनाथ तीर्थयात्रियों समेत 32 लोग मारे गए थे। जुलाई 2001 में एक हमले में तेरह लोग मारे गए थे, जब आतंकवादियों ने यात्रा के शेषनाग बेस कैंप पर हमला किया था। 2002 में चंदनवारी बेस कैंप पर 11 अमरनाथ यात्री मारे गए थे। जुलाई 2017 में कुलगाम जिले में अमरनाथ तीर्थयात्रियों से भरी बस पर हुए हमले में आठ लोग मारे गए थे। अमरनाथ शिवलिंग एक अद्भुत प्राकृतिक हिमनिर्मित संरचना है, जिसे हिमानी शिवलिंग कहा जाता है। अमरनाथ गुफा 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

नहीं मान रहे ईरान और इजराइल, युद्ध और तेज

● ईरान का इजराइल के मोसाद हेडक्वार्टर पर हमला ● इजराइल ने ईरानी सेना के डिप्टी कमांडर को मारा ● मिलिट्री इंटेलीजेंस बिल्डिंग को भी बनाया निशाना

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। इस बीच ईरान के टॉप सैन्य अधिकारी मेजर जनरल अली शादमानी की एक हवाई हमले में मौत हो गई है। यह जानकारी ईरान की सेना ने दी है। शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के प्रमुख थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी। ईरान ने तेल अवीव में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमला किया। इसके अलावा मिलिट्री इंटेलीजेंस से जुड़ी खुफिया एजेंसी ओमान की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है। इजराइली हमलों में अब 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं। इजरायल और ईरान के बीच लगातार पांचवें दिन जंग जारी है। ईरान की ओर से कई मिसाइलें दागी गईं।

● ट्रम्प जी-7 समिट छोड़कर अमेरिका रवाना

कनाडा के अल्बर्टा राज्य के कैननास्किस में चल रहे जी 7 समिट में इजराइल-ईरान तनाव का असर दिख रहा है। समिट के पहले दिन जी 7 देशों ने इजराइल का समर्थन किया। मंगलवार सुबह साझा बयान में कहा कि इजराइल को अपनी आत्मरक्षा करने का अधिकार है। ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प समिट को बीच में छोड़कर अमेरिका रवाना हो गए हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते ट्रम्प ने यह फैसला लिया है। इस बीच ट्रम्प ने कहा,मैं सीजफायर के लिए वॉशिंगटन नहीं लौट रहा हूं। बात उससे कहीं बड़ी है। इससे पहले ट्रम्प ने लिखा- ईरान को परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करने चाहिए। ईरान न्यूक्लियर हथियार नहीं रख सकता है।

2027 विधानसभा चुनाव 'इंडिया' के साथ लड़ेंगे अखिलेश

● सपा प्रमुख ने कर दिया बड़ा ऐलान, यूपी में शुरू हो गई तैयारी

लखनऊ (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश ने ऐलान किया कि वह इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले यूपी दौरे पर आए कांग्रेस प्रभारी

अविनाश पांडे ने भी कहा था कि कांग्रेस गठबंधन सहयोगी के साथ विधानसभा चुनाव लड़ेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी 2027 का विधानसभा चुनाव इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर लड़ेगी। उनके इस बयान से गठबंधन में एकजुटता का संदेश गया है। साथ ही, यह आने वाले चुनावी समीकरणों को लेकर भी एक महत्वपूर्ण संकेत है। अखिलेश यादव ने कानपुर के सीएमओ के तबादले पर सरकार को घेरा।

क्रैश के बाद 5 दिन में दूसरी बार कैंसिल अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट

उड़ान से पहले एयर इंडिया प्लेन में फिर से आई तकनीकी खामी

एयरलाइन ने किया साफ, बोली- हमारे पास विमानों की कमी है

कोलकाता (एजेंसी)। अहमदाबाद में मंगलवार को प्लेन क्रैश की घटना के बाद 5 दिन में अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की लगातार दूसरी फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है।

इसके पीछे तकनीकी खामी को वजह बताया गया है। आज फ्लाइट संख्या एआई-159 अहमदाबाद से दोपहर 1.10 बजे लंदन के लिए उड़ान भरने वाली थी। जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट के टेकऑफ से कुछ घंटे पहले ही इस तकनीकी खराबी का पता चला। इससे पहले सोमवार को भी अहमदाबाद से लंदन की फ्लाइट रद्द की गई थी। आज की फ्लाइट कल के लिए रिशेड्यूल की जाएगी। आज की फ्लाइट कैंसिल होने के बाद एक यात्री ने कहा, यह गलत है।

● एयर इंडिया ने अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट का नाम बदला-प्लेन क्रैश के बाद एअर इंडिया ने अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट का नंबर बदलने का फैसला किया है। अब यह एआई-159 होगा। वापसी की उड़ान का भी नंबर बदलकर एआई-160 किया जाएगा। पहले इस फ्लाइट का नंबर एआई-171 था। इससे पहले 2014 में किसी एयरलाइन ने अपनी उड़ान संख्या बदली थी। मलेशियन एयरलाइंस की कुआलालंपुर से बीजिंग जा रही उड़ान एमए 370 के लापता हो जाने के बाद, उस रूट की फ्लाइट संख्या को बदलकर एमए 318 कर दिया गया था। सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में सोमवार रात को तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते यात्रियों को मंगलवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पर प्लेन से उतारना पड़ा। फ्लाइट नंबर एआई 180 कोलकाता होते हुए मुंबई जा रही थी।

पंजाब में टेंशन बढ़ा रहा अमृतपाल-2,समर्थन में कट्टपंथी, कमल कौर भाभी के हत्यारे को हीरो बताने वाले पोस्टर लगे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में चर्चित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी के कत्ल के आरोपी अमृतपाल सिंह मेहरों को हीरो बताने वाले पोस्टर लगे हैं। कंचन कुमारी सोशल मीडिया पर कमल कौर भाभी के नाम से चर्चित थी। कमल कौर भाभी अक्सर इंस्टाग्राम समेत कई प्लेटफॉर्म्स पर वीडियोज बनाती थीं और उन्हें धमकियां मिल रही थीं। अमृतपाल सिंह मेहरों समेत कई कट्टरपंथियों ने उन्हें धमकियां दी थीं कि अश्लील वीडियो बनाना बंद करे वरना मुश्किल होगी। कमल कौर भाभी के कत्ल के बाद एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें अमृतपाल सिंह मेहरों ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी। बता दें कि पहले ही एक कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह प्रशासन की मुश्किलें बढ़ाता रहा है, जो फिलहाल सांसद है और जेल में बंद है। अब अमृतपाल सिंह मेहरों के सम्मान में कई पोस्टर लगे दिख रहे हैं, जिनमें उसे कौम दा हीरा और इज्जतां दे रक्खे बताया गया है। लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है और प्रशासन उसमें व्यस्त है। ऐसे में अमृतपाल सिंह मेहरों को हीरो बताने वाले पोस्टरों ने चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि उपचुनाव में भी यह मुद्दा बन सकता है। बता दें कि मेहरों के खिलाफ बठिंडा पुलिस ने लुकआउट नोटिस जारी कर रखा है। एक तरफ ऐसे बैनर लगना चिंता की बात है तो वहीं नियमों का उल्लंघन भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि उपचुनाव के लिए अधिसूचना लागू है।

सोनम ने किया इशारा, विशाल ने राजा को मार डाला

शिलॉन्ग एसपी बोले-हमले के वक्त राजा के सामने थी, खून बहा तो दूर चली गई

शिलॉन्ग/इंदौर (एजेंसी)। शिलॉन्ग पुलिस मंगलवार सुबह राजा रघुवंशी मर्डर केस के आरोपियों को लेकर सोहरा पहुंची। सोहरा के वेई सावडोंग फॉल्स पर क्राइम सीन रीक्रिएशन किया। पूर्वी खासी हिल्स एसपी विवेक स्येम ने बताया, हमें पता चला है कि राजा को धारदार हथियार से मारा गया था। सोनम ने राजा पर हमला करने का इशारा किया था। इशारा मिलते ही विशाल उर्फ विक्की ने दोनों हाथों से वार कर दिया। राजा के सिर से खून बहने लगा। घटना के वक्त सोनम कहा थी, मीडिया

के इस सवाल के जवाब में एसपी ने बताया- घटना के वक्त सोनम सामने थी, राजा उसके पीछे था। विशाल राजा की दाईं तरफ था और आकाश उसके पीछे बायीं तरफ था। आनंद भी राजा की बायीं तरफ था। इसी समय विशाल ने राजा के सिर पर वार किया। राजा को मारा गया और खून निकलने लगा, तो सोनम वहां से दूर चली गई। तीनों आरोपियों ने शव को नीचे फेंक दिया। बता दें, रीक्रिएशन के समय फोरेंसिक डिपार्टमेंट और एसडीआरएफ की टीमें भी मौजूद रहीं।

भारत को अंडमान में मिला 2 लाख करोड़-लीटर का तेल-भंडार

● पेट्रोलियम मंत्री ने कहा-इससे भारत की जीडीपी बढ़कर 20 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को अंडमान सागर में करीब 2 लाख करोड़ लीटर का क्रूड ऑयल का भंडार मिल सकता है। यह बात केंद्रीय पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कही है। हरदीप सिंह ने कहा कि यह अनुमान सही निकला तो इससे भारत की जीडीपी करीब 5 गुना तक बढ़ सकती है। हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि अंडमान सागर में कच्चे तेल और गैस का यह बड़ा भंडार दिखा है और सरकार

ने इसे निकालने की तैयारियां शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि इसके मिलने के बाद हमारी एनर्जी की जरूरतें एक झटके में पूरी हो जाएंगी। मंत्री ने कहा कि यह पेट्रोलियम भंडार हाल ही में गुयाना में मिले (11.6 बिलियन बैरल) कच्चे तेल के रिजर्व जितना हो सकता है। अगर खोज और शोध में यह अनुमान सही निकला तो भारत की जीडीपी एक झटके में 3.7 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 20 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है। हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि अभी अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कच्चा तेल निकालने का काम चल रहा है।

पाकिस्तान गुरुधामों के लिए अब नहीं जाएगा सिख जत्था

● भारत-पाक विवाद को लेकर एसजीपीसी का फैसला

अमृतसर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सीमा तनाव को देखते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है। महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों की यात्रा पर हर साल जत्था रवाना होता था। इस साल ये यात्रा 29 जून को लाहौर के लिए रवाना होनी थी। एसजीपीसी ने कहा कि मौजूदा हालात में यह निर्णय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है। इस यात्रा के लिए पहले ही 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने आवेदन किया था और अपने पासपोर्ट एसजीपीसी के पास वीजा संबंधित कार्रवाई के लिए भेजे थे। इस बीच, एसजीपीसी प्रमुख ने केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार की उस हरकत की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने एक सिख युवक पर चप्पल फेंकी थी।

पोटाश का हब बनेगा राजस्थान का बीकानेर जिला

रेगिस्तान में आत्मनिर्भरता की दस्तक के बाद उम्मीदों के लगे पंख

जयपुर (एजेंसी)। बीकानेर, जो अब तक अपने इतिहास, विरासत और स्वादिष्ट भुजिया के लिए जाना जाता था, आज आत्मनिर्भर भारत की नई उम्मीद बन कर उभर रहा है। यह जिला न केवल भारत के 95 फीसदी पोटाश भंडार का घर है, बल्कि इसकी मिट्टी यूक्रेन की क्ले से मेल खाती है जो भारतीय सिरेमिक उद्योग का प्रमुख कच्चा माल है। फिर भी, यह इलाका नीतिगत विलंब और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण आज भी औद्योगिक विकास से वंचित है। भारत उर्वरकों के लिए पोटाश का एक बड़ा उपभोक्ता है, लेकिन इसकी 100 फीसदी आपूर्ति अब तक आयात से ही होती रही है। वर्ष 2024-25 में भारत ने पोटाश आयात पर 8,000 करोड़ से अधिक खर्च किए। बीकानेर और हनुमानगढ़ जैसे जिलों में मौजूद पोटाश भंडार इस आयात निर्भरता को समाप्त कर सकते हैं।

हालांकि, पहले खनन के लिए रखी गई शर्तें कठोर थीं, कंपनियों को पोटाश के साथ-साथ अन्य खनिजों का भी खनन करना जरूरी था। इससे लागत बहुत बढ़ गई, और वेदांता जैसी कंपनियां पीछे हट गईं। 2024 में नीति में बदलाव किया गया और अब केवल पोटाश खनन की अनुमति दी गई है। हनुमानगढ़ में वेदांता को नया टेंडर मिल चुका है, लेकिन बीकानेर, जो अधिक संसाधन संपन्न है, अभी भी टेंडर प्रक्रिया से बाहर है। मोरबी, गुजरात भारत का सिरेमिक हब है, लेकिन यह यूक्रेन से आयातित क्ले पर निर्भर है, जिसकी सालाना लागत लगभग 1.4 बिलियन है। बीकानेर के गांवों चांदी, गुढ़ा, मुढ़, और कोलायत की मिट्टी वैज्ञानिक रूप से यूक्रेनी क्ले जैसी है, बल्कि गुणवत्ता में उससे बेहतर पाई गई है। वर्मोरा, नेक्सियन और आरएके सिरेमिक्स जैसी कंपनियां स्थानीय क्ले में रुचि दिखा चुकी हैं लेकिन बीकानेर में सूखा बंदरगाह (ड्राय पोर्ट) और माल परिवहन की सुविधाओं की कमी बड़े पैमाने पर उपयोग को रोक रही है। राज्य सरकार ने 2022-23 में ड्राय पोर्ट की घोषणा की थी, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। बीकानेर की पहचान उसके स्नेक्स और मिठाइयों से जुड़ी है।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ फायरिंग मामले में 13 लोगों पर केस दर्ज, दोनों पक्ष ने एक-दूसरे के खिलाफ दर्ज करवाया मामला

पटना। पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र के पुरा गांव में रविवार को हुई फायरिंग मामले में दो लोग घायल हुए थे। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग FIR दर्ज की है। एक पक्ष पर 5 लोगों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। दूसरे पक्ष पर 8 लोगों के खिलाफ फायरिंग और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ है। पुलिस ने अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपी फरार हैं। घटना के संबंध में दोनों पक्षों के अलग-अलग बयान सामने आए हैं। एक पक्ष का कहना है कि पैसों के लेनदेन को लेकर झूठा आरोप लगाकर एक युवक की पिटाई की गई। उस पर मिर्च पाउडर भी डाला गया। युवक के परिजनों ने बचाने की कोशिश की तो हाथापाई हुई। इसी दौरान फायरिंग हो गई। दूसरा पक्ष कह रहा है कि नशे की हालत में पड़ोसी ने फायरिंग का आरोप लगाकर विवाद शुरू किया। फिर हाथापाई हुई और पहले पक्ष ने फायरिंग कर दी। राइफल और पिस्तौल दोनों से फायरिंग की गई है। इस मामले में ASP राकेश कुमार ने बताया कि घटनास्थल से 5 खोखा बरामद किए गए हैं। पुलिस फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और अवैध हथियारों की बरामदगी के लिए छापेमारी कर रही है। दोनों पक्षों में पहले से मनमुटाव चल रहा था।

पटना में डायन बताकर महिला और परिवार पर हमला, चार लोग घायल, आरोपी फरार

पटना। पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र में एक महिला को डायन बताकर उस पर और उसके परिवार पर हमला किया गया। इस घटना में राधा देवी (50) समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों में राजेश कुमार (27), रामअवतार पासवान (62) और सुजीत कुमार (18) शामिल हैं। दरअसल, राधा देवी के पड़ोसी सुधीर पासवान का आरोप है कि वह जादू-टोना करती हैं। सुधीर का कहना है कि राधा देवी कई सालों से उनके परिवार पर जादू-टोना कर रही हैं। पीड़िता राधा देवी ने बताया कि उनके जाउत और उसके परिवार के पांच लोगों ने मिलकर उन्हें डायन कहकर लाठी-डंडों से पीटा। इस हमले में उनके बेटे का सिर फट गया। सुजीत कुमार ने बताया कि उनके चचेरे भाई उनकी मां को अक्सर डायन कहकर प्रताड़ित करते हैं। गांव में किसी के बीमार पड़ने या कोई अनहोनी होने पर राधा देवी पर आरोप लगाया जाता है। पड़ोसियों का कहना है कि वह अक्सर भगत को बुलाती हैं। यह विवाद तब और बढ़ गया जब रामावतार पासवान ने अपनी पहली पत्नी की मौत के बाद दूसरी शादी कर ली। घटना के बाद आरोपी पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार हो गए हैं। रामअवतार पासवान ने कहा कि उन लोगो से कोई लेन-देन नही है फिर भी डायन कहकर मारपीट करता है। वह मजदूरी करते हैं। इस मामले को लेकर दूसरे पक्ष के घर जाकर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन मारपीट के सपरिवार घर फरार होने की सूचना मिली। वहीं थाना अध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह ने कहा कि मामले की जानकारी नहीं मिली है। आवेदन मिलने के बाद मामले की जांच कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में मानसून की एंट्री, 8 जिलों में बारिश, 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

पटना। बिहार में मानसून की एंट्री हो गई है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक आनंद शेखर ने बताया कि आज यानी मंगलवार को पूर्णिया, किशनगंज के रास्ते मानसून बिहार पहुंचा है। औरंगाबाद, किशनगंज, कटिहार बांका में सुबह में बारिश हुई। दोपहर बाद भागलपुर, बक्सर और लखीसराय और नालंदा में बारिश हुई। वहीं, पटना में तेज धूप निकली हुई है। मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी 38 जिलों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। 10 में भारी बारिश का ऑरेंज जबकि 28 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी दी गई है। इस बार सामान्य से 11 फीसदी अधिक बारिश होने के आसार है। 26 जून से पूरे बिहार में मानसूनी बारिश शुरू हो जाएगी। बीते दिन यानी सोमवार को पटना, नालंदा समेत 12 जिलों में बारिश हुई। वहीं, आकाशीय बिजली गिरने से प्रदेश के अलग-अलग जिलों में 14 लोगों की मौत हो गई। 12 झुलस गए। पटना समेत 28 जिलों में बादल छाए रहेंगे। गर्मी से राहत मिलेगी। हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 26 जून तक पूरे बिहार में मानसून सक्रिय हो जाएगा। इस बार मानसून सामान्य रहेगा।

'दीदी-चीकू को परेशान मत कीजिएगा, जो मन है, करने दीजिएगा', नोट लिखकर छात्र ने दी जान

पटना। पटना में NEET की तैयारी कर रहे एक छात्र ने खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान आर्यन राज उर्फ किट्टू (17) के तौर पर हुई है। वह गयाजी का रहने वाला था। वो शास्त्रीनगर के दक्षिणी शिवपुरी स्थित जय विला के कमरा नंबर 303 में किराए पर रहता था। रविवार रात उसके साथ रहने वाला भाई कोचिंग से लौटा तो आर्यन फंदे से लटका मिला। मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। जो आर्यन ने अपने माता-पिता के नाम लिखा है। उसने लिखा, 'दीदी और छोटे भाई पर किसी तरह का प्रेशर मत बनाइएगा। उन्हें जो मन है वो करने दीजिएगा।' बताया जा रहा है कि आर्यन मानसिक रूप से दबाव में था। वो 16 दिन पहले ही NEET की तैयारी करने गयाजी से पटना आया था। रविवार की शाम आर्यन के साथ रहने वाला भाई और उसके दोस्त कोचिंग चले गए। रविवार देर रात आर्यन का चचेरा भाई कोचिंग से कमरे पर लौटा था। दरवाजा खटखटाने और फोन करने पर भी जब आर्यन ने फोन नहीं उठाया तो उसने इसकी जानकारी मकान मालिक को दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शास्त्रीनगर थानेदार अमर कुमार ने बताया, '15 जून की रात आर्यन राज उर्फ किट्टू के सुसाइड की जानकारी चचेरे भाई ने दी। इसके बाद मौके पर पुलिस और FSL की टीम पहुंची।' 'कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है। परिजनों के आवेदन पर यूडी केस दर्ज किया गया है।'

पटना में गोदाम से 10 लाख रुपए की शराब बरामद

पटना। शास्त्रीनगर थाने की पुलिस ने पुनाइचक इलाके से विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपए से अधिक है। इस धंधे में शामिल दो आरोपियों दिनेश कुमार (32) और पीयूष कुमार (21) को भी मौके से पकड़ा गया है। दिनेश कौवाकोल नवादा और पीयूष देवरिया उतर प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस की पूछताछ में दोनों अपराधियों ने बताया है कि उतर प्रदेश से शराब पटना लाई गई थी। पुनाइचक स्थित पप्पू किराना दुकान के गोदाम में रखकर पटना के अलग-अलग क्षेत्रों में सप्लाई करनी थी। शास्त्रीनगर थानेदार अमर कुमार ने बताया कि इनका नेटवर्क दूसरे राज्यों में भी फैला है। गुप्त सूचना मिली थी कि शराब की बड़ी खेप आई है। इसी आधार पर छापेमारी की गई। पूछताछ में दूसरे लोगों की भी संलिप्तता भी सामने आई है। यह मनेर थाना अंतर्गत शेरपुर गांव के रहने वाले शंभू शरण का है, जिस गोदाम में शराब रखी जा रही थी, उसे सील किया जाएगा। रात के अंधेरे में सभी शराब उतार रहे थे, जैसे वहां पुलिस पहुंची, सभी भागने लगें। खदेड़कर पकड़ लिया गया। गाड़ी भी जब्त कर ली गई है।

पटना के जेपी गंगा पथ पर बनेंगी 500 फैब्रिकेटेड दुकानें

एजेंसी, पटना

- गंगा पथ पर लगाए गए तीन सैंपल, वेंडिंग जोन बनने के बाद बैन होंगे प्राइवेट ठेले-खोमचे

पटना के JP गंगा पथ (मरीन ड्राइव) पर फूड कोर्ट अब नए अंदाज में दिखेगा। JP गंगा पथ के किनारे लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित करके 500 फैब्रिकेटेड दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए अब टेंडर फाइनल हो गया है। इसके तीन सैंपल एजेंसी द्वारा गंगा पथ पर लगाए गए हैं। इसके लिए कमिटी बनेगी और जो डिजाइन पसंद आएगा, उसे फाइनल कर काम शुरू होगा। इस पूरे प्रोजेक्ट को 15 करोड़ 46 लाख रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा।

एक तरह के रहेंगी दुकानें: पटना स्मार्ट सिटी के एमडी अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि पटना स्मार्ट सिटी एग्जीक्यूटिंग एजेंसी है और साथ में पटना नगर निगम को भी जवाबदेही दी गई थी कि गंगा पथ पर दुकानें एक तरह के और यूनिफॉर्म तरीके के हो। इस काम को तीन महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

तीन शेप में बनेगी फैब्रिकेटेड दुकानें, स्टिल से बनेंगे स्ट्रक्चर: JP गंगा पथ पर फैब्रिकेटेड दुकानें तीन आकार में बनेंगी। पहला 10 गुना 6, दूसरा 8 गुना 6 और तीसरा 6 गुना 4 के आकार की दुकानों का निर्माण होगा। इन दुकानों को प्री-फैब्रिकेटेड पोर्टेबल कियोस्क नाम दिया है। जरूरत और डिमांड के हिसाब से इनका आवंटन किया जाएगा। इसका निर्माण दीघा रोटरी से लेकर LCT घाट के करीब होगा। यह फैब्रिकेटेड दुकानें स्टिल ढांचे वाली दुकानें होंगी।

दीघा गोलंबर से आगे बनेगा वेंडिंग जोन: इन दुकानों के बन जाने से ग्राहकों से लेकर दुकानदारों को सहूलियत होगी। एक बार यह बन जाए तो सभी दुकानों के लिए किराया भी निर्धारित होगा। इन दुकानों के लिए वेडिंग जोन का निर्माण किया जाएगा।

यहां नए सिरे से वेंडिंग जोन बनने के बाद प्राइवेट ठेले-खोमचे को पूरी तरह से बैन कर दिया जाएगा। इस वेंडिंग जोन में सभी सुविधाएं मिलेंगी। सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

मसौढ़ी के राम जानकी मंदिर में युवक की हत्या

- बाइक से आए 3 बदमाशों ने मारी गोली, जमीन विवाद में हत्या की आशंका

एजेंसी, पटना

पटना के मसौढ़ी में स्थित राम जानकी मंदिर परिसर में मंगलवार को एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान राजेश चौधरी (30) के तौर पर हुई है। वह रहमतगंज के सरजू चौधरी का बेटा है। राजेश मंदिर परिसर में पानी और आइसक्रीम बेचने का काम करता था।

गोली लगते ही मौत: घटना मंगलवार को दिन में हुई। तीन अपराधी एक बाइक पर सवार होकर मंदिर पहुंचे। उन्होंने राजेश के सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही राजेश जमीन पर गिर पड़े। मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना मसौढ़ी थाने को दी। सूचना मिलते ही मसौढ़ी थाना प्रभारी और पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी नव वैभव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एफएसएल टीम और डॉग स्क्वाड्न की मदद से जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

जमीन विवाद में हत्या की आशंका: पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी नव वैभव के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला जमीन विवाद का लग रहा है। पुलिस परिवार के सदस्यों का बयान दर्ज कर हत्या के कारणों की जांच कर रही है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया गया है।

सिविल कोर्ट से हथकड़ी की रस्सी काटकर भागा कैदी

एजेंसी, पटना

- फुलवारी जेल से पेशी के लिए लाया गया था, शौचालय की खिड़की से कूद कर भागा

पटना के सिविल कोर्ट में पेशी के लिए आया कैदी हथकड़ी की रस्सी काट कर फरार हो गया। हवलदार ठग राम ने इसकी शिकायत पटना के पीरबहोर थाने में दर्ज कराई है। ठग राम के आवेदन के मुताबिक मंगलवार की सुबह 10:45 बजे विकास कुमार फुलवारी जेल से पटना सिविल कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था। इस दौरान उसने शौच लगने की बात कही। उसे शौचालय लेकर गए। शौचालय के अंदर वो घुसा। हाथ में हथकड़ी भी लगी हुई थी। लेकिन, उसने हथकड़ी की रस्सी काट दी। फिर खिड़की से फरार हो गया। दूसरी तरफ 20 मिनट तक वो रस्सी पकड़कर खड़े रहे, जब एहसास हुआ की रस्सी जमीन पर गिरी हुई है, तब जाकर देखे तो अपराधी गायब था। खिड़की की ग्रिल भी टूटी हुई थी। इस घटना ने ए कबार फिर पटना सिविल कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, दूसरी तरफ पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है। पीरबहोर थानेदार अब्दुल हलीम ने घटनास्थल का मुआयना किया है। छानबीन शुरू कर दी है। विकास पालीगंज थाना अंतर्गत रानी तालाब का रहने वाला है। बुद्धा कॉलोनी के मामले में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। फिलहाल अपराधी नहीं पकड़ा गया है।

पटना की सड़कों पर लालू के माफी मांगने के पोस्टर, लिखा है- 7 दिन हो गए, लालू-तेजस्वी कब माफी मांगेंगे

- बीजेपी ने कहा- यह दलित समाज की पीड़ा है

एजेंसी, पटना

पटना की सड़कों पर आज बाबा भीम राम अंबेडकर के अपमान पर लालू प्रसाद यादव के माफी मांगने के पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टर में सवाल उठाते हुए कहा गया है कि 7 दिन हो गए लालू और तेजस्वी माफी कब मांगेंगे ? साथ ही कहा गया है कि दलित विरोधी RJD की सच्चाई जानने के लिए QR कोड स्कैन करें। दरअसल, BJP लगातार बाबा साहब आंबेडकर के अपमान के मुद्दे को बड़ा बनाने की तैयारी में लगी है। लालू के पैरों के पास बाबा भीमराव अंबेडकर की तस्वीर रखे जाने के वीडियो वायरल होने के बाद BJP लगातार लालू प्रसाद यादव से माफी मांगने का दबाव बनाए हुए है।

लालू को माफी मांगने का साहस नहीं: पोस्टर पर BJP मीडिया इंचार्ज दानिश इकबाल ने कहा कि पटना की सड़कों पर आज जो पोस्टर लगे हैं, वो सिर्फ़ पोस्टर नहीं हैं, बल्कि दलित समाज की पीड़ा और जनआक्रोश की तस्वीर हैं। बाबा साहब के अपमान को 7 दिन हो गए, लेकिन लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव अब तक माफ़ी मांगने का साहस नहीं जुटा पाए। यह केवल राजनीतिक असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि दलित समाज के आत्मसम्मान पर खुला प्रहार है। RJD को बताना होगा कि क्या उनके लिए सत्ता ज़्यादा बड़ी है या संविधान निर्माता का सम्मान? अब समय आ गया है कि लालू-तेजस्वी जवाब दें, माफ़ी कब मांगेंगे ?

BJP प्रवक्ताओं को लालू को घेरने की मिली जिम्मेदारी: BJP ने सभी प्रवक्ताओं को इस मामले में लालू-तेजस्वी पर दबाव बनाए रखने का निर्देश दिया है। चुनावी साल में BJP हर मौके को विरोधियों के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में हैं।

BJP प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा है कि राजद के द्वारा बाबा साहब का अपमान न केवल बाबा साहब अंबेडकर का अपमान है बल्कि लोकतंत्र का अपमान है, समानता के अधिकार का अपमान है। यह लालू यादव का असली चेहरा बेनकाब करता है। राहुल गांधी अखिलेश यादव इस पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं ? एक सजायाफ्ता मुजरिम जो स्वघोषित सामाजिक न्याय का पुरोधा कहता है अपने आप को ! क्या उसका यही सामाजिक न्याय है ? कभी बाबा साहब को पैरों पर रखता है तो कभी कचड़े के ढेर पर ! लालू यादव माफी मांगो !

तेजस्वी ने की जीजा आयोग की मांग, पीएम के बिहार दौरे पर कहा- 11 वर्षों में बिहार को क्या दिया?

एजेंसी, पटना

- एनडीए की अंदरूनी हालात ठीक नहीं

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर बिहार और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। दामाद आयोग की अपनी मांग को दोहराते हुए तेजस्वी ने कहा कि अब वे एक कदम और आगे बढ़ते हुए बिहार में "जीजा आयोग" बनाने की भी मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी बिहार दौरे पर तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा, वो जितनी बार बिहार आना चाहें आएं, लेकिन यह बताएं कि 11 वर्षों में बिहार को क्या दिया? उन्होंने अपने पहले ही दौरे में कहा था कि जल्द ही चीनी मिलें शुरू होंगी और वो बिहार की चीनी से बनी चाय पीएंगे। हम आज भी उस चाय का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि NDA सरकार में सबकुछ अस्त-व्यस्त है। खुद सत्तारूढ़ दलों के नेता आपस में ही बयानबाजी कर रहे हैं, जिससे साफ है कि अंदरूनी हालात ठीक नहीं हैं। बिहार में एयरपोर्ट निर्माण के हालिया कैबिनेट फैसले पर उन्होंने कहा, कई हवाई अड्डे बनाने का निर्णय 2015 में ही हमारी सरकार ने ले लिया था। अब फिर वही निर्णय दोहराया जा रहा है।

आसमान छू रहे हैं हवाई किराए: तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर भी सवाल उठात हुए कहा को सिर्फ एयरपोर्ट बना देने से कुछ नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने कहा था कि चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा करेगा, लेकिन आज हवाई किराए आसमान छू रहे हैं। केंद्र सरकार को इसपर जवाब देना चाहिए।

सरकार सिर्फ मुफ्त राशन बांटकर खुश है: राजनीतिक दलों के बीच हो रही हलचलों पर उन्होंने कहा कि जो आना चाहे आए, किसी को रोका थोड़े ही गया है। यह बयान उन्होंने निषाद समाज के नेता निशांत कुमार की रणनीति में शामिल होने की अटकलों पर दिया। तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के विदेश दौरे पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस पर ज्यादा कुछ कहना नहीं है, लेकिन देश की हालत देखिए। बेरोजगारी, गरीबी, महंगाई चरम पर है। सरकार सिर्फ मुफ्त राशन बांटकर खुश है, लेकिन देश के शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे अहम मुद्दों पर कोई बात नहीं कर रहा। तेजस्वी ने अंत में कहा कि प्रधानमंत्री देश में परिवारवाद की बात करते हैं, लेकिन उन्हें बिहार आकर देखना चाहिए कि यहां असल में क्या हो रहा है।

पटना में 5 राज्यों के मुस्लिम स्कॉलर आएंगे

- 29 जून को गांधी मैदान बड़ी कॉन्फ्रेंस होगी, वक्फ संशोधन बिल का विरोध किया जाएगा

एजेंसी, पटना

केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन बिल के विरोध में 29 जून को पटना के गांधी मैदान में बड़ी कॉन्फ्रेंस होगी। इस कॉन्फ्रेंस में बिहार, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के मुस्लिम धर्मगुरु शामिल होंगे। इमारते शरिया के अमीर-ए-शरीयत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन कानून संविधान का उल्लंघन है। यह वक्फ संपत्तियों को हड़पने का रास्ता खोल देगा।

मौलिक इस्लामी सिद्धांत समाप्त हो जाएगा: मौलाना रहमानी के अनुसार इस कानून से वक्फ का मौलिक इस्लामी सिद्धांत समाप्त हो जाएगा। वक्फ बोर्ड सरकारी एजेंसी बन जाएगा। लोगों से वक्फ करने का अधिकार छीन लिया जाएगा। उन्होंने चिंता जताई कि 1400 वर्ष पुरानी वक्फ विरासत खत्म हो जाएगी। मदरसे, मस्जिदें, मकबरे और कब्रिस्तान प्रभावित होंगे। अमीर-ए-शरीयत ने कहा कि वे संविधान के साथ खड़े हैं।

दानापुर में 165 भूमिहीन परिवारों को मिला जमीन

एजेंसी, पटना

- हाई कोर्ट के आदेश पर मिला पर्चा, 495 डिसमिल जमीन का हुआ वितरण

दानापुर के अंचल कार्यालय कैंपस में पटना हाई कोर्ट के आदेश के बाद 165 भूमिहीन परिवारों को जमीन के पर्चे बांटे गए। पाटलिपुत्र स्टेशन के पास नहर रोड किनारे वर्षों से रह रहे इन परिवारों की पहचान की गई। प्रत्येक परिवार को 3 डिसमिल जमीन का पर्चा दिया गया। इस दौरान दानापुर CO चंदन कुमार और प्रखंड प्रमुख वंदना राय मौजूद रहे। वहीं लाभार्थियों में मीना देवी, विमला देवी, राजकुमारी देवी और पूजा देवी सहित कुल 165 परिवार शामिल रहे। कुल मिलाकर 495 डिसमिल जमीन का वितरण किया गया। पर्चा मिलने के बाद परिवारों ने राहत महसूस की।

सर्वे कर परिवारों की हुई पहचान: दानापुर CO चंदन कुमार ने बताया कि पटना हाई कोर्ट ने पाटलिपुत्र स्टेशन के पास अतिक्रमण कर बसे लोगों को जमीन आवंटित करने का निर्देश दिया था। इसके बाद सर्वे कराया गया और परिवारों की पहचान की गई। प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी परिवार बेघर न रहे। अब ये परिवार अपनी कानूनी जमीन पर घर बनाकर स्थिर जीवन की ओर बढ़ सकेंगे। पानापुर मौजा में दी गई यह जमीन इन परिवारों के पुनर्वास और सम्मानजनक जीवन का आधार बनेगी।

गर्दनीबाग प्लास्टिक प्रोसेसिंग सेंटर की सभी 6 मशीनें खराब, कचरे का गोदाम बना प्लास्टिक प्रोसेसिंग सेंटर

एजेंसी, पटना

- आयुक्त बोले- यारपुर शिफ्ट होगा कचरा डंपिंग पॉइंट

गर्दनीबाग में कचरा डंपिंग यार्ड के पास प्लास्टिक प्रोसेसिंग सेंटर बनाया गया था। यह यूनिट अब दम तोड़ रही है। मशीनें खराब हो गई है। यह सेंटर अब प्लास्टिक का गोदाम बन गया है। सेंटर के अंदर अस्त-व्यस्त तरीके से प्लास्टिक रखा हुआ है। कंवेयर बेल्ट पर प्लास्टिक के कचरे रखे हुए हैं। पटना नगर निगम के सहयोग से इसकी स्थापना की गई थी। यह रोजगार का एक बड़ा केंद्र था, लेकिन अब मशीन खराब होने से रोजगार पर मार पड़ी है।

यूनिट में मौजूद हैं 6 तरह की मशीनें: प्रोसेसिंग सेंटर के कर्मी राकेश कुमार ने कहा कि इस यूनिट में 6 तरह की मशीनें है, एक कूड़ा चुनने वाले, पन्नी दाबने वाला, कटिंग मशीन, बेलर और गलाने के लिए अलग मशीन है। रोज 5 क्विंटल प्लास्टिक प्रॉसेस होता था। यहां से प्लास्टिक प्रॉसेस होकर पहाड़ी और बैरिया जाता है। करीब 10 लोग यहां काम करते हैं। यह हमारे रोजगार का साधन है। महीने में हमें पेमेंट दी जाती है, लेकिन मशीनें खराब होने के कारण हमारे रोजगार कर असर पड़ा है।

यारपुर शिफ्ट किया जाएगा कचरा डंपिंग पॉइंट: पटना नगर निगम के नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि गर्दनीबाग कचरा डंपिंग पॉइंट को यहां से शिफ्ट किया जाएगा।

यहां ट्रांसफर स्टेशन बनाए जाएंगे। एक से डेढ़ महीने में इसे यारपुर शिफ्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से बोरिंग रोड पानी टंकी वाले इलाके को कचरा मुक्त किया गया था, उसी तरह इस एरिया से भी डंपिंग पॉइंट हटाया जाएगा। चुकी बगल में गर्दनिबाग अस्पताल भी है, तो मरीजों को भी काफी परेशानी होती है और एयरपोर्ट के लिए भी यह एरिया खाली किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मिथिला के गीत संगीत एवं भगैत गायन के संरक्षण व संवर्धन को लेकर प्रयास जारी

बीएनएम। सहरसा : अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय महासचिव अखिलेश मिश्रा ने जाने माने प्रसिद्ध गायक पद्मभूषण उदित नारायण से मिलकर मिथिला में खासकर कोशी प्रमंडल में संगीत संस्कृति में भगैत एवं लोक संगीत के सुरक्षा हेतु हरसंभव प्रयास में सहयोग देने को कहा है। मिश्रा ने संगीत में पढ़ाई जाने वाली पंचगछिया धराना,यदू झा, मांगैन खवास,शारदा सिन्हा के साथ साथ पंडित लक्ष्मी नाथ गोसाई और बाबा कारु खिरहर आदि जैसे संतों के उत्कृष्ट भजनों का संग्रह और संरक्षण के लिए लंबी बातचीत हुई।

मिश्रा ने बताया कि उदित जी ने कहा अभी कुछ दिन पहले पंडित लक्ष्मी नाथ गोसाई जी का भजन इन्होंने गया है ।समाज कल्याण में संगीत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसमें संतों की तो बात ही निराली है। सही मायने में सभी चार वेदों में सामवेद सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महाकवि विद्यापति अपने भजनों से भोलेनाथ को प्रसन्न किया और वरदान नहीं लेने पर नौकर बनकर सहर्ष स्वीकार करने जैसा उदाहरण मिथिला को छोड़कर कहीं और देखने को नहीं मिलता है। पंचायत परिषद के द्वारा जो संगीत से समाधान नामक कार्यक्रम सहरसा- सुपौल से शुरू कर सम्पूर्ण मिथिला में चलाया जाएगा। जिसके केन्द्र में मिथिला के लाल रविन्द्र महेन्द्र को रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में परंपरा ठाकुर से भी पुर्ण सहयोग मिलेगा। श्री मिश्रा ने कहा कि सहरसा में एफ एम रेडियो की शुरुआत इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है । उन्होंने मिथिला वासियों से आग्रह किया कि लोग अपने क्षेत्र के पुराने नये कवियों, गीतकारों, गायकों, कीर्तन मंडलियों और कलाकारों की सूची अखिल भारतीय पंचायत परिषद, मयूर विहार फेस वन के पते पर भेजने या हरि शंकर तिवारी मिडिया राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी के वाट्सएप पर भेजने या संपर्क करने को कहा है। खासकर भगैत और भजन के साथ साथ एतिहासिक मिथिला के नायकों के गाथा, गीत, नाटक और नौटंकी लिखने एवं अभिनय करने वाले लोगों से इस महायज्ञ में शामिल होने का आग्रह किया है।

संवाद के माध्यम से सरकार तक पहुंचेगी महिलाओं की आवाज़,महिला संवाद कार्यक्रम अंतिम चरण में

बीएनएम। सहरसा । महिलाओं को सशक्त और उनकी आवाज़ को सरकार तक पहुंचाने के लिए शुरू किया गया महिला संवाद कार्यक्रम अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है । जिले में अब मात्र 24 ग्राम संगठनों में ही कार्यक्रम आयोजित किया जाना शेष है । इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिलाएं भागीदारी कर रही हैं और अपनी समस्याएं और आकांक्षाएं साझा कर रही हैं । जीविका के संचार प्रबंधक, सुधा दास ने जानकारी दी कि जिले में निर्धारित 1468 ग्राम संगठनों में से 1444 में महिला संवाद कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है । शेष 24 ग्राम संगठनों में आयोजन के साथ ही 18 जून को कार्यक्रम का समापन हो जाएगा ।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बिहार सरकार की योजनाओं की जानकारी देने के लिए वीडियो फिल्में प्रदर्शित की जा रही हैं । इसमें स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और गांव की अन्य महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग ले रही हैं । सुधा दास ने बताया कि अब तक 3 लाख 61 हजार से अधिक लोग महिला संवाद कार्यक्रम में भाग ले चुके हैं । इनमें 2 लाख 43 हजार स्वयं सहायता समूह की महिलाएं और 1 लाख 18 हजार से अधिक अन्य ग्रामीण महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में ग्रामीण जीवन, समाज और राज्य के विकास पर गहन चर्चा हो रही है ।महिला संवाद के दौरान महिलाओं से अब तक 40,327 सुझाव और आकांक्षाएं प्राप्त हुई हैं। इन सुझावों को मोबाइल एप्लिकेशन पर दर्ज किया गया है, ताकि राज्य के विकास और योजनाओं के कार्यान्वयन में इनका उपयोग किया जा सके।सभी सुझावों का विभागवार वर्गीकरण कर संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए भेजा गया है । बिहार सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं की समस्याओं और आकांक्षाओं को समझते हुए महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।यह न केवल महिलाओं को जागरूक कर रहा है,बल्कि उन्हें सरकार के साथ सीधे जोड़ने का माध्यम बन रहा है।

निर्माणाधीन पुलिस लाइन में एसपी समेत पुलिसकर्मियों ने किया वृक्षारोपण

बीएनएम। अररिया। अररिया हरियाबाड़ा में बन रहे पुलिस लाइन परिसर में मंगलवार को एसपी अंजनी कुमार ने पुलिस अधिकारियों और बलों के साथ मिलकर वृक्षारोपण के साथ साथ रंग बिरंगे फूलों के पौधों का रोपण किया। इस मौके पर एसपी के साथ सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह,डीएसपी हेडक्वार्टर फखरे आलम,ट्रैफिक डीएसपी दीवान इकराम समेत करीबन चार सौ पुलिस लाइन के महिला और पुरुष कर्मचारी मौजूद थे।पुलिस लाइन परिसर में छायादार और फलदार पौधों के साथ सैकड़ों रंग बिरंगे फूलों के पौधों का रोपण किया गया। मौके पर एसपी अंजनी कुमार ने कहा कि जल्द ही निर्माणाधीन पुलिस लाइन जिला पुलिस के हैंडओवर होगा।परिसर में हरियाली और सुंदरता को लेकर प्लांटेशन का कार्यक्रम किया गया है।जिसमें पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस के जवानों ने बढ़ चढकर हिस्सा लिया।उन्होंने कहा कि लगातार जिस तरह ग्लोबल वार्मिंग को लेकर गर्मियां बढ़ रही है।ऐसे में पर्यावरण संरक्षण के साथ अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण किया जाना अत्यावश्यक है।

साइबर अपराधियों पर ईनाम की घोषणा

सरेंडर करें अपराधी, या काली कमाई से बने बंगलों पर चलेगा हथौड़ाः एसपी

बीएनएम। मोतिहारी। राकेश कुमार

साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस का बड़ा एक्शन सामने आया है। हाल में मोतिहारी में एक हाईटेक साइबर गिरोह का पर्दाफाश करने के बाद पुलिस ने अब फरार चल रहे चार साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए 20-20 हजार रुपये के इनाम की घोषणा कर दी है। साथ ही सभी आरोपितों की तस्वीरें सार्वजनिक कर दी गई हैं। इनमें रघुनाथपुर चमड़ा गोदाम के सत्यम सौरव, भलुआ के राजकिशोर राम, अम्बिका नगर के आयुष पांडेय और घोड़ासहन के पुरुषोत्तम चौधरी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार ये चारों लंबे समय से संगठित साइबर ठगी में संलिप्त हैं और अब भूमिगत हैं। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट कहा है कि यदि आरोपी खुद सरेंडर नहीं करते हैं तो उनके काली कमाई से बने आलीशान घरों और बंगलों पर बुलडोजर चलेगा। उन्होंने बताया कि इन आरोपितों ने साइबर ठगी से अर्जित रकम से संपत्तियां बनाईं, जिसे अब जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। एसपी ने आम जनता से भी सहयोग की अपील की है और कहा है कि आरोपितों की सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। साथ ही गिरफ्तारी में सहयोग करने वाले पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इससे पहले मोतिहारी के चांदमारी मोहल्ले में एक फर्जी स्कूल में चल रहे साइबर ऑपरेशन का खुलासा करते हुए पुलिस ने पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया था। वहां से 29 लाख रुपये से अधिक की नकदी, 2 हथियार, 24 मोबाइल, 7 लैपटॉप, नोट गिनने की मशीन, कई एटीएम कार्ड और लग्जरी गाड़ियां बरामद हुई थीं। गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ में खुलासा किया था कि उनका नेटवर्क अंतरराज्यीय स्तर पर फैला हुआ है और वे युवाओं के खातों का इस्तेमाल कर क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर काले धन को सफेद बना रहे थे। गैंग द्वारा इस्तेमाल की गई गाड़ियों के नंबर भी "8055" यानी 'बॉस' जैसे कोड से चिह्नित थे। पुलिस की इस कार्रवाई ने जिले में साइबर अपराधियों में हड़कंप मचा दिया है और यह संदेश साफ दे दिया गया है कि अब अपराध के खिलाफ कठोरतम कदम उठाए जाएंगे।

"साइबर ठगी से जो भी धन अर्जित किया गया है, वह अवैध है। ऐसे धन से खड़ी की गई संपत्तियों पर अब प्रशासनिक कार्यवाही होगी। यदि आरोपी खुद सामने नहीं आते हैं, तो हम कुर्की-जब्ती की कार्रवाई के साथ उनके बंगलों को ढहाने की प्रक्रिया शुरू करेंगे।"

-स्वर्ण प्रभात, पुलिस अधीक्षक, मोतिहारी

हत्या व आर्म्स एक्ट का वांछित हथियार समेत गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के सुगौली थाना की पुलिस ने हत्या व आर्म्स एक्ट कांड के वांछित आरोपी को एक देशी पिस्टल व एक जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा है। मिली जानकारी के अनुसार सुगौली थानाध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली कि छपवा सुगौली मुख्य पथ में टॉल प्लाजा के बंगरा पुल के समीप आपराधिक वारदात को अंजाम देने के लिए अपराधी हथियार के साथ आया है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष पुलिस अधिकारी व पुलिस बल के साथ सूचना वाले जगह पर पहुंच छापेमारी किया।जिसमे एक व्यक्ति के पास से एक देशी पिस्टल के साथ एक जिंदा कारतूस बरामद की गई।पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। गिरफ्तार युवक की पहचान तुरकौलिया थाना के सेमरा भूमिहारी टोला निवासी स्व0 संजय ठाकुर का पुत्र आयुष कुमार उर्फ जानू के रूप में हुई है।गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ के दौरान बताया कि उक्त बरामद पिस्टल बिट्टू यादव से मुंगेर रेलवे स्टेशन के पास से खरीद कर लाया था। बिट्टू यादव से जेल में संपर्क हुआ था।गिरफ्तार आरोपी के ऊपर अरेराज थाना कांड संख्या 436/22 हत्या कांड व तुरकौलिया थाना कांड संख्या 308/24 आर्म्स एक्ट दर्ज है।जिसमे आरोपी जेल भी जा चुका है। छापेमारी टीम में पुलिस निरीक्षक अशोक पांडेय,थानाध्यक्ष अवनीश सिंह,अपर थानाध्यक्ष अभिनव राज,एसआई अनुराग राज,जेपी सिंह व पुलिस बल के जवान शामिल थे।

युवा चित्रकार अनिकेत राज ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित कलाकृति की भेंट

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के पंच मंदिर चौक बिसाती पट्टी निवासी दिनेश कुमार अग्रहरी व सरिता देवी के पुत्र अनिकेत राज पूर्वी चंपारण की धरती से उभरे प्रतिभाशाली युवा चित्रकार ने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को 'ऑपरेशन सिंदूर' विषय पर आधारित अपनी एक विशेष पेंटिंग भेंट कर एक गौरवशाली क्षण को साकार किया। यह सम्मानजनक शिष्टाचार भेंट नई दिल्ली स्थित मंत्री के सरकारी आवास पर सम्पन्न हुई। अनिकेत राज, जो अपनी राष्ट्रभक्ति और सामाजिक सरोकारों को कला के माध्यम से अभिव्यक्त करने के लिए जाने जाते हैं। इस पेंटिंग के माध्यम से भारतीय सेना के अद्वितीय साहस, बलिदान और समर्पण को दर्शाया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक यह पेंटिंग वीर सैनिकों की गौरवगाथा को एक भावनात्मक और प्रेरणादायक रूप में प्रस्तुत करती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अनिकेत की कला को अत्यंत सराहा और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे युवा कलाकार देश की संस्कृति और वीरता को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर अनिकेत राज ने कहा, "यह मेरे जीवन का गौरवपूर्ण क्षण है। मेरी यह कृति देश के वीर जवानों को नमन है। मैं कला के माध्यम से राष्ट्रसेवा को आगे भी जारी रखूंगा। श्री राज की यह उपलब्धि न केवल मोतिहारी बल्कि संपूर्ण बिहार के लिए गर्व का विषय है। उनकी कलात्मक यात्रा नई पीढ़ी को देशभक्ति और रचनात्मकता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

बाढ़ सुरक्षा को लेकर जल संसाधन विभाग पूरी तरह सतर्क, जिले में छह स्थलों पर कराए गए कटावरोधी कार्य

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग द्वारा पूर्वी चंपारण जिले में बाढ़ सुरक्षा के तहत कई महत्त्वपूर्ण स्थलों पर कटावरोधी कार्य तीव्र गति से कराए गए हैं। विभाग की तकनीकी टीम पूरी सजगता और गंभीरता के साथ काम में जुटी है ताकि बाढ़ के दौरान संभावित आपदाओं से जनजीवन और कृषि क्षेत्र को सुरक्षित रखा जा सके। चंपारण तटबंध के 103.00 किलोमीटर के निकट पुछरिया गांव के सामने सोल कटिंग का कार्य कराया गया है। इसका उद्देश्य बाढ़ के समय नदी के बहाव को नियंत्रित करना और जलधारा के दबाव को तटबंध से दूर मोड़ना है, जिससे कटाव की संभावना को न्यूनतम किया जा सके। साथ ही चंपारण तटबंध के सामने पुछरिया गांव के सुरक्षार्थ बोल्डर से कटाव निरोधक कार्य कराया जा रहा है जिससे पुछरिया गांव को कटाव से सुरक्षित किया जा सकेगा। इसी क्षेत्र में तटबंध की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए कटावरोधी कार्य भी किए गए हैं। बूढ़ी गंडक नदी के दायें तटबंध के 14 से 15 किलोमीटर के बीच नदी भाग में बसवरिया टोला, मधुबनी घाट स्थित गिरी टोला गांव और बेलबतिया गांव में भी कटाव नियंत्रण के लिए आवश्यक संरचनात्मक उपाय अपनाए गए हैं। इन स्थानों पर जलधारा की दिशा और दबाव को देखते हुए वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है ताकि बाढ़ के दौरान गांवों की आबादी और खेतिहर भूमि को कोई क्षति न पहुँचे। करहान गांव के वार्ड संख्या- 9 में पूर्व में किए गए कटावरोधी कार्यों का पुनर्स्थापन किया गया है। इसके अंतर्गत पोरक्यूपाइन लेयिंग, पुराने कार्यों के ऊपर स्क्रीन निर्माण और पीछे बनी गड्ढों की भराई जैसे कार्य शामिल हैं, जिससे संरचना को अधिक टिकाऊ और प्रभावी बनाया जा सके। जल संसाधन विभाग इन सभी कार्यों की सतत निगरानी कर रहा है और निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ इसे पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग का यह प्रयास न केवल बाढ़ सुरक्षा की दिशा में एक मजबूत कदम है, बल्कि इससे पूर्वी चंपारण के हजारों ग्रामीणों को राहत भी मिलेगी।

आरपीएफ जवान ने बहादुरी दिखाते महिला की बचाई जान

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के चकिया रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ जवान जयप्रकाश यादव ने बहादुरी और तत्परता दिखाते हुए एक महिला यात्री की जान बचाई है। दरअसल बापूधाम मोतिहारी-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस (15556) में पटना जाने के लिए चढ़ते समय महिला का पैर फिसल गया। जिससे वह ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच गिरने लगी। हालांकि मौके पर तैनात जयप्रकाश यादव ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत महिला का हाथ पकड़ लिया,और खींचकर महिला को सुरक्षित बाहर निकाल कर बचा लिया।जिसके बाद महिला को फिर ट्रेन में सुरक्षित चढ़ाकर पटना रवाना कर दिया।आरपीएफ जवान के इस बहादुरी भरे कार्य का वीडियो लोग खूब शेयर कर रहे है। सोशल मीडिया पर भी जवान जय प्रकाश यादव की बहादुरी की काफी सराहना की जा रही है।मिली जानकारी के अनुसार रेलवे अधिकारियों ने भी इस कार्य की प्रशंसा की है और जवान को सम्मानित करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

मामूली विवाद में युवक की पीट-पीट कर हत्या

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के बंजरिया थाना क्षेत्र के पचरूखा मध्य पंचायत के महम्मदपुर गांव में एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान इमरान के रूप में हुई है। वह मुंबई में रहकर स्टील का काम करता था और बकरीद पर घर आया था।हत्या का आरोप उसके पड़ोसी राजिक पर लगी है। बताया गया है,कि राजिक के चाचा रागिब की सोमवार को शादी होनी थी। बारात बंजरिया प्रखंड के जनेरवा गांव में जाने वाली थी। घर में बारात की तैयारियां चल रही थीं।इसी दौरान दूल्हे रागिब के भतीजे राजिक शराब के नशे में बाइक चलाते हुए गांव के एक युवक तुजार को टक्कर मार दी। दोनों के बीच जमकर झगड़ा और हाथापाई हुई,जिसे ग्रामीणो ने बीच बचाव कर शांत करा दिया। हालांकि थोड़ी देर बाद राजिक अपने अन्य साथियों के साथ पड़ोस में रहने इमरान के यहां गया।उसके घर पर तुजार को खोजते हुए लाठी-डंडों और हथियार से हमला बोल दिया। उसने तुजार और इमरान के साथ इमरान की मां नूरजहां के साथ भी मारपीट की। इसी क्रम में इमरान के सिर पर डंडे से तेज प्रहार किया गया, जिससे उसकी सिर फटने से मौत हो गई।घटना के बाद राजिक के घर वाले मौके से फरार बताये जा रहे है,मृतक की मां के आवेदन पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपितो को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

डीजीपी विनय कुमार को 'बिहार गौरव सम्मान', मीडिया को बताया लोकतंत्र की मज़बूत आवाज़

बीएनएम। मोतिहारी

मुजफ्फरपुर / मोतिहारी। मीडिया नवाचार और सकारात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देने वाले संगठन 'डी मीडिया जंक्शन' ने बिहार के पुलिस महानिदेशक (DGP) विनय कुमार को "बिहार गौरव सम्मान" से सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें राज्य में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने, समाज में पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत करने तथा प्रशासन और मीडिया के बीच संवाद को सशक्त करने के लिए प्रदान किया गया। पटना स्थित डीजीपी कार्यालय में आयोजित इस विशेष मुलाक़ात के दौरान डी मीडिया जंक्शन के एक प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें शॉल, पुष्पगुच्छ और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बिहार के कई महत्वपूर्ण सामाजिक और प्रशासनिक मुद्दों पर गहन चर्चा हुई, जिससे मीडिया और पुलिस प्रशासन के बीच संवाद के नए आयाम खुलते दिखाई दिए। प्रतिनिधिमंडल में डी मीडिया जंक्शन के संरक्षक चंद्र भूषण पांडेय (वरिष्ठ पत्रकार, टाइम्स ऑफ इंडिया, मोतिहारी), मार्गदर्शक नीरज कुमार (वरिष्ठ पत्रकार), डॉ. साकेत रमण (प्रोफेसर, सेंट्रल यूनिवर्सिटी मोतिहारी एवं प्रांत उपाध्यक्ष, BSM) और कार्यकारी निदेशक आकाश अस्थाना शामिल थे। सम्मान प्राप्त करने के बाद DGP विनय कुमार ने मीडिया की भूमिका को लोकतंत्र की सबसे मजबूत और ज़िम्मेदार आवाज़ बताया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक और जवाबदेह पत्रकारिता समाज को न केवल दिशा देती है, बल्कि जन-सरोकार के मुद्दों को सामने लाकर व्यवस्था को भी जागरूक करती है। उन्होंने डी मीडिया जंक्शन की इस पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि ऐसे प्रयास मीडिया को उसकी मूल भूमिका की ओर और मजबूती से प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर चंद्र भूषण पांडेय ने पत्रकारों की एकता और मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता को बढ़ावा देने की दिशा में डी मीडिया जंक्शन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आज के व्यावसायिक युग में जब पत्रकारिता अक्सर मूल सरोकारों से भटकती दिखती है, ऐसे में यह मंच पत्रकारों को उनके सामाजिक दायित्वों की याद दिलाता है। डॉ. साकेत रमण ने इसे केवल एक सम्मान समारोह न मानते हुए मीडिया और प्रशासन के परस्पर सहयोग की एक नई शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष पत्रकारिता को सशक्त करने, समाज के हर वर्ग को मंच देने और पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा के लिए डी मीडिया जंक्शन पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जनसहयोग से मदरसा निर्माण कार्य जारी - खलीक कुरैशी

बीएनएम।बगहाः प्रखंड बगहा एक के रायबारी महुअवा और झारमहुई गांव स्थित मदरसा के भवन की मरम्मती कार्य को लेकर स्थानीय समाजसेवियों ने अदभुत एवं अनोखी पहल की शुरुआत की है। गड्ढे में तब्दील मदरसा की मरम्मती कार्य हेतु लोगों ने जनसहयोग से शुरु कर समाज में एक नई मिशाल पेश किया है। मदरसा प्रबंध समिति के अध्यक्ष खलीक कुरैशी ने बताया कि मदरसा इमदादुल ओलुम रायबारी महुअवा के झारमहुई मदरसा नं 83 वर्षों से खंडहर में तब्दील था। ग्रामीणों के सहयोग से मदरसा के भवन का मरम्मती कार्य शुरु कराया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में प्रबंध समिति के द्वारा वर्षों से भवन की मरम्मती कार्य नहीं कराया गया था। जो वर्तमान प्रबंध समिति के द्वारा कराई जा रही है। प्रबंध समिति के सचिव शफी उर्रहमान ने बताया कि 23 अप्रैल 25 को बैठक की गई। बैठक में स्थानीय ग्रामीण, अभिभावक, प्रबंध समिति के सदस्य, प्रधान मौलबी और मदरसा के शिक्षक के साथ ही सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल रहे। तथा सभी लोगों ने अपनी एकजुटता दिखाते हुए जनसहयोग कर गड्ढे में तब्दील मदरसा को बनवाने की निर्णय लिया। प्रबंध समिति के सदस्य खलीक कुरैशी, शफीउर्रहमान, फकरुल हसन, इमाम हसन, अताउल्लाह शिक्षक मौलाना शबीर अहमद, फसिह अख्तर, कारी अब्दुल कलाम आजाद, मौलाना असफाक अहमद ने लगातार सहयोग कर मदरसा की मरम्मती कार्य में अपनी हाथ बढाया। ग्रामीणों ने बताया कि मदरसा के दरवाजे पर मसान नदी के बाढ़ के कारण सड़क तालाब में तब्दील हो गया था। प्रबंध समिति ने अपनी मेहनत से मनरेगा योजना के तहत मीट्टी भराई कार्य कराया। तब मदरसा और उच्च विद्यालय में आवागमन शुरु हुई। प्रबंध समिति के सदस्य फकरुल हसन ने बताया कि प्रबंध समिति का अनुमोदन मदरसा बोर्ड से नहीं होने के कारण प्रबंध समिति द्वारा बहुत सारे कार्यों के करने में असमर्थता जताया है।

करंट से से युवक की गई जान

बीएनएम।पश्चिम चंपारण जिला अंतर्गत बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड की गोबरहिया पंचायत में चर्चित धर्म प्रवर्तक राजकुमार फास्टर के नूतन भवन निर्माण कार्य में कार्य कर रहे 20 वर्षीय मजदूर धीरज कुमार की 11000 वोल्ट के चपेट में आ जाने से मौके पर हुई मौत ग्रामीणों ने काटा बवाल।मैके पर पहुंची धनहां पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर अंत्य परिक्षण के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेजा मामले की गहनता से कर रही है जांच। बताया चलें कि बीस वर्षिय युवक धीरज कुमार भारती जो मधुबनी प्रखंड कार्यालय के समीप गोबरहिया गांव में चर्चित ईसाई धर्म प्रचारक राजकुमार फास्टर द्वारा धर्म प्रचार स्थल पर एक नूतन भवन निर्माण कराया जा रहा था जिसमें काम कर रहा था। निर्माण कार्य स्थल से होकर 11000वोल्टेज का तार जा रहा जिसमें सटने से मौके पर ही मौत हो गई। जहां हाई वोल्टेज तार से सुरक्षा की कोई भी व्यवस्था नहीं की गई थी और असुरक्षित निर्माण कार्य करने के मजदूर की मौत हो गई |

पीड़ित परिवार ने प्रशासन से लगायी गुहार

बीएनएम।योगापट्टी : प्रखंड क्षेत्र की बलुआ भवानीपुर पंचायत के वार्ड नंबर पंद्रह के कवलापुर गांव नवलपुर थाना क्षेत्र का हैं । जहाँ रविवार को लाल चौधरी का जमीन जबरन गांव के ही कुछ लोगो ने जोत लिया है। पीड़ित एवं उसके परिवार वालों ने जानकारी देते हुए बताया कि जमीन कवलापुर ढ़ुबेलवा रोड से सटा हुआ हैं। जिस पर मेरा पच्चीस वर्षो से दखल कब्जा है। जिसको गांव के ही मदन यादव, सतन यादव,जितेंद्र यादव, विनोद चौधरी और योगीलाल यादव ने अपना बताकर दिन रविवार को कुछ असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर जोर जबरजस्ती से कब्जा कर लिया है । जबकि उस जमीन का मेरे पास पूरा कागजात हैं जिसका वर्षो से मेरे नाम का रसीद कट रहा है। मेरे जमीन का रकबा छः कट्ठा, खाता 49, खेसरा 189 और मौजा कवलापुर हैं इस घटना से मेरे परिवार के लोग डरे सहमे हुए हैं पीड़ित ने यह भी बताया कि मै नवलपुर थाने मे आवेदन देने के लिए गया तो थाना प्रभारी ने कहा कि यह मामला अंचलाधिकारी का हैं हम लोग घबराये हुए हैं हम लोग प्रशासन से मांग करते हैं की प्रशासन इस मामले की छानबीन कर उचित कार्यवाही करे,वहीं इस विषय पर विपक्षीयो से दूरभाष के माध्यम से प्रतिक्रिया लिया तो उन्होंने बताया कि यह जमीन हमारी हैं हम इसको कई वर्षो से अपने जोत आबादी मे रखे हैं इसका कागजात हमारे पास भी है । उसके बाद थाना प्रभारी से प्रतिक्रिया लिया गया तो उन्होंने बताया कि ऐसा कोई भी व्यक्ति हमारे पास आवेदन लेकर नहीं आया था आवेदन मिलेगा तो मामले की जाँच कर दोषियों पर कार्यवाही की जाएगी ।

प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र का प्रभारी ने किया निरीक्षण

बीएनएम।बैरियाः प्रखंड क्षेत्र के सूर्यपुर पंचायत के दियारा में बीते एक दशक से प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र बन कर तैयार हो गया है। लेकिन भवन बनने के बाद यह भवन स्वास्थ्य विभाग को सुपुर्द नहीं किया गया है। जिससे यह भवन मवेशियों का चारा भंडारण का स्थल बन गया है। मालूम हो कि सूर्यपुर पंचायत के मसान ढाब के दो वार्ड के करीबन डेढ़ हजार आबादी आज भी स्वास्थ्य सुविधाओं का बांट जोह रहा है । बीते एक दशक से सूर्यपुर पंचायत के मसान ढाब का बना उप स्वास्थ्य केंद्र बंद पड़ा है। सिविल सर्जन डाक्टर विजय कुमार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। उनके पहल पर सोमवार के शाम बैरिया पीएचसी प्रभारी डॉक्टर मिथिलेश चंद्र सिंन्हा समेत स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों ने इस बंद पडे उप स्वास्थ्य केंद्र का जायजा लिया । निरीक्षण के दौरान पीएचसी प्रभारी डॉक्टर मिथिलेश चंद्र सिंन्हा ने कहा कि इसे चालू करने के लिए वरीय अधिकारियों से अपेक्षित दिशा निर्देश लिया जाएगा। जो भी तकनीकी अड़चनें आएगी उसका निदान करके इस उप स्वास्थ्य केंद्र पर शीघ्र ही स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू कराई जाएगी ग्रामीणों ने बताया कि छोटी-छोटी बीमारियों को लेकर भी यहां के लोग नाव से उस पार जाकर इलाज कराने को मजबूर और विवश है । यही नहीं अगर यह उप स्वास्थ्य केंद्र सुचारू रूप से चलने लगेगा तो बैजुआ पंचायत का पूर्वी हिस्सा के हजारों लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो जाएगी । क्योंकि मसान ढाब से सटे बैजुआ का दो-तीन वार्ड अवस्थित है । यहां के लोगों को भी इस उप स्वास्थ्य केंद्र के चालू हो जाने से काफी लाभ हो सकता है। आज भीषण गर्मी में भी यहां के लोगों को जीवन रक्षक दवाएं नहीं मिल पा रही है। वही आपको बता दे की रविवार के दिन ग्रामीणों के द्वारा प्रदर्शन किया गया था जिसको प्रातः आवाज अखबार ने प्रमुखता से दिखाया था जिसको अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया है। और जल्द ही शुरू करने का आश्वासन दिया है

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

बीएनएम।बेतियाः पॉक्सो कोर्ट ने 6 साल की नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा का ऐलान किया है। विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार गुप्ता ने आरोपी को पॉक्सो और रेप एक्ट के तहत दोषी माना है। सभी गवाहों के मुकर जाने के बाद कोर्ट ने डीएनए टेस्ट के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल की सजा सुनाई है।विशेष अदालत ने दोषी को 50 हजार रुपए जुर्माना भरने का भी आदेश दिया है। जुर्माना नहीं देने पर उसे तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी,न्यायालय ने इस पूरे मामले में विधि विज्ञान प्रयोगशाला, पटना से प्राप्त डीएनए रिपोर्ट को सबसे मजबूत और निर्णायक सबूत माना। मामले में कुल 6 गवाहों, जिनमें पीड़िता की ओर से सूचीका सहित स्वतंत्र गवाह भी शामिल थे, ने अदालत में बयान से पलट गए,इसके बावजूद डीएनए रिपोर्ट, चिकित्सकीय रिपोर्ट, अनुसंधानकर्ता और विधि विज्ञान विशेषज्ञ की गवाही ने अदालत को आरोपी के दोषी होने का पुख्ता आधार दिया विशेष लोक अभियोजक जयशंकर तिवारी ने बताया कि ने बताया कि यह घटना 21 मई 2023 की है। घटना वाले दिन पीड़िता के घर में बारात आई थी। इसी दौरान लौरिया थाना के ननकार गांव निवासी बृजेश कुमार चुपके से उसके कमरे में घुस गया और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।लड़की की चीख-पुकार सुनकर परिजन पहुंचे और आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया। बारात जाने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।लोक अभियोजक ने बताया कि सभी छह गवाहों ने अदालत में गवाही देने से इनकार कर दिया। इसके बावजूद डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट ने पूरे मामले को नया मोड़ दिया और अभियोजन पक्ष को मजबूती दी। न्यायालय ने वैज्ञानिक साक्ष्यों को महत्व देते हुए आरोपी को दोषी करार दिया।

मोतिहारी में साइबर फ्रॉड के बड़े गिरोह का खुलासा,5 गिरफ्तार

» लक्जरी गाड़ी, कैश, आर्म्स सहित कई इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स बरामद

मोतिहारी शहर के चांदमारी स्थित एक स्कूल में रात होते ही शुरू होता था डिजिटल क्राइम

बीएनएम। मोतिहारी

जिला मुख्यालय मोतिहारी शहर के बीचो-बीच चांदमारी मोहल्ले में कथित रूप से संचालित एक स्कूल में साइबर अपराध के एक बड़े सिंडिकेट का पुलिस ने खुलासा करते हुए 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से कई लक्जरी वाहन, आर्म्स, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स,नोट गिनने की मशीन एवं 29 लाख इंडियन व एक लाख नेपाली करेंसी बरामद किया है। ऐसा माना जा रहा है,कि इस गैंग द्वारा कई तरह से विभिन क्षेत्र के लोगों को डिजिटल अरेस्ट कर खातों से पैसे ट्रांसफर कराए गए होंगे, जिसका खुलासा भी पुलिस की जांच में होगी। इस संबंध में एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया है कि गिरफ्तार साइबर अपराधियों में चांदमारी मोहल्ले का सुमित सौरभ,रघुनाथपुर का संजीव कुमार, पश्चिम चंपारण मझौलिया का पप्पू कुमार, रघुनाथपुर का सुनील कुमार श्रीवास्तव एवं राजा बा CX .जार का दीपांशु पांडेय शामिल है। जबकि गैंग का मास्टरमाइंड रघुनाथपुर का सत्यम सौरभ एवं उसका करीबी आयुष कुमार, यश कुमार व अंश कुमार फरार है। जिसकी तलाश में पुलिस ताबतोड़ छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 29 लाख 29 हजार 6 सौ 80 रुपए भारतीय करेंसी व 99500 नेपाली करेंसी, 24 मोबाइल फोन, 7 लैपटॉप, 2 देसी रिवाल्वर, 16 पासबुक, 49 एटीएम कार्ड, 37 चेक बुक, एसबीआई ढाका ब्रांच का एक मोहर, एक थार गाड़ी, एक ब्रेजा एक बुलेट एवं एक डायरी, जिस पर दैनिक पैसे का लेखा जोखा लिखा जाता था, जप्त किया गया है। उक्त अपराधी साइबर अपराध के जरिए युवाओं के खातों में पैसे मंगाकर क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट कर के काले धन को सफेद धन बनाने में भी माहिर हैं। गैंग के सभी वाहनों का नंबर 8055 है, जिसे डिजिटल रूप से बॉस के रूप में जाना जाता है।पुलिस टीम ने इस गैंग के सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए नगर थाना, रघुनाथपुर, घोड़ासहन, रक्सौल, हरैया एवं हरपुर थाना क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी टीम में एएसपी शिवम धाकड़, साइबर थाना अध्यक्ष डीएसपी अभिनव पाराशर, इंस्पेक्टर मनीष कुमार सहित कई अन्य पुलिस पदाधिकारी व जवान शामिल थे। पूरे घटना क्रम की मॉनिटरिंग पुलिस कप्तान स्वयं कर रहे थे। एसपी ने बताया है कि इसके लिए साइबर थानाध्यक्ष को 25000 का अवार्ड दिया जाएगा और वरीय स्तर पर भी सम्मानित करने के लिए पत्राचार किया जाएगा।

रक्सौल इंडो-नेपाल बॉर्डर से नाबालिग नेपाली लड़की बरामद, मानव तस्कर गिरफ्तार

स्टार मेकर एप से हुई थी दोस्ती, कॉल सेंटर में नौकरी का दिया था झांसा

बीएनएम। रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा रक्सौल पर सोमवार को मानव तस्करी रोधी इकाई ने एक नाबालिग नेपाली लड़की को एक युवक के साथ भारत लाते समय संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। यह कार्रवाई एसएसबी 47वीं वाहिनी, प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर पूर्वी, एवं न्याय नेटवर्क परियोजना डंकन अस्पताल की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पूछताछ में नाबालिग लड़की ने खुलासा किया कि उसकी उम्र लगभग 13 वर्ष है और वह काठमांडू, नेपाल की रहने वाली है। उसने बताया कि एक साल पहले उसकी दोस्ती स्टार मेकर एप के माध्यम से भारत के युवक से हुई थी, जो बाद में प्रेम-प्रसंग में बदल गई। आरोपी युवक दो बार उससे मिलने काठमांडू आया और तीसरी बार उसे कॉल सेंटर में नौकरी दिलाने के बहाने भारत ले जा रहा था। लड़की ने बताया कि युवक का उद्देश्य बाद में उससे शादी करना था। पकड़ा गया युवक, जिसका काल्पनिक नाम शेख रिजवान बताया गया है, थाना तुरकौलिया, जिला पूर्वी चंपारण का निवासी है। प्राथमिक जांच के बाद दोनों को अगली कानूनी प्रक्रिया हेतु हरैया थाना, रक्सौल को सौंप दिया गया है, जहां युवक के विरुद्ध मानव तस्करी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस संयुक्त कार्रवाई में मानव तस्करी रोधी इकाई से सहायक सब इंस्पेक्टर खेमराज, निर्भय कुमार, आर्यलक्ष्मी, प्रयास जुवेनाइल एड सेन्टर पूर्वी की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी, सामाजिक कार्यकर्ता राज गुप्ता, विजय कुमार शर्मा, तथा न्याय नेटवर्क परियोजना डंकन अस्पताल से आरती कुमारी एवं गौरव कुमार आदि की सक्रिय भूमिका रही।

लायन इंटरनेशनल (डिस्ट्रिक्ट 322E) के प्रतिनिधिमंडल का रक्सौल में भव्य स्वागत

बीएनएम। रक्सौल

सोमवार को स्थानीय पंकज सिनेमा स्थित बैंक्वेट हॉल में लायन इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322E के प्रतिनिधिमंडल का भव्य स्वागत किया गया। यह प्रतिनिधिमंडल इंडो-नेपाल मीट में भाग लेकर चितवन, नेपाल से लौटते समय रक्सौल पहुंचा था। स्वागत समारोह का आयोजन लायंस क्लब ऑफ रक्सौल द्वारा क्लब अध्यक्ष लायन साइमन रेक्स के नेतृत्व में किया गया। क्लब सचिव लायन बिमल सर्राफ एवं कोषाध्यक्ष लायन मोहम्मद निजामुद्दीन के साथ लायन नारायण रुंगटा, लायन शंभू प्रसाद चौरसिया, लायन पंकज बरनवाल, लायन हरीश खत्री, लायन अमित कुमार, लायन सीमा बरनवाल, प्रियंका सोनी, सुशीला धानोठिया, पूनम सर्राफ, नीलम हिसारिया, सरिता खत्री एवं दीपा कुमारी सहित अनेक सदस्यों ने गर्मजोशी से अतिथियों का स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वर्तमान जिलापाल लायन गणवन्त मल्लिक ने किया। उनके साथ द्वितीय उपजिलापाल लायन संगीता नंदा, पूर्व जिलापाल डॉ. शैलेश सिन्हा, लायन देशबंधु गुप्ता, लायन प्रकाश नंदा, लायन वीणा गुप्ता, लायन गीता शर्मा, लायन अंगद सिंह, लायन चंदू मिश्रा, लायन सुजीत सिंह, लायन अमित सिंह सहित करीब 40 सदस्य रक्सौल पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान जिलापाल महोदय ने क्लब के कार्यों की प्रशंसा करते हुए अध्यक्ष लायन साइमन रेक्स के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने क्लब को गवर्नर मेडल एवं इंटरनेशनल प्रेसिडेंट सर्टिफिकेट प्रदान किया। इस अवसर पर क्लब की ओर से सभी अतिथियों को क्लब लेपल पिन एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस संबंध में जानकारी क्लब सचिव सह मीडिया प्रभारी लायन बिमल सर्राफ ने प्रेस को दी।

वायरल वीडियो के बाद एक्शन, हथियार लहराने वाला युवक गिरफ्तार, घर से देशी राइफल और गोली बरामद

बीएनएम। अरेराज

मलाही थाना क्षेत्र के चिंतावनपुर गांव में वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार लहराने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के घर से एक देशी राइफल और 12 बोर का शॉर्टगन शेल भी बरामद किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर त्वरित रूप से की गई। जानकारी के अनुसार, 15 जून 2025 को सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें एक युवक सार्वजनिक स्थान पर देशी बंदूक लहराता दिख रहा था। उसका आक्रामक व्यवहार और लोगों में भय पैदा करने वाला अंदाज़ वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा था। वीडियो की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मलाही थाना को कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रारंभिक जांच के दौरान वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान चिंतावनपुर निवासी फिरोज आलम के रूप में हुई, जिसके पिता का नाम नियामुद्दीन मियाँ है। 16 जून को सुबह लगभग 5:00 बजे पुलिस ने उसे उसके घर से हिरासत में ले लिया। पूछताछ में फिरोज ने स्वीकार किया कि 14 जून को बारात के दौरान हुए विवाद में लोगों को डराने के लिए उसने अपने घर से देशी बंदूक निकालकर लहराई थी। फिरोज की स्वीकारोक्ति के बाद पुलिस टीम ने उसी शाम करीब 7:00 बजे उसके घर पर छापेमारी की। छानबीन के दौरान उसके पलंग के नीचे से एक देशी राइफल (SPORTSMAN KALSEE GUN WORKS 13045-92) और एक 12 बोर का शॉर्टगन शेल (12 ELEY-KYNOCH 12) बरामद किया गया। पुलिस ने हथियारों को जब्त कर आरोपी को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया है। मामले में मलाही थाना में कांड संख्या 208/25 के तहत भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1-बी)(ए)/26 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपी से पूछताछ के साथ आगे की कानूनी प्रक्रिया भी चल रही है। इस कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाली पुलिस टीम में अरेराज अनुमंडल के पुलिस उपाधीक्षक रंजन कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर पूर्णकाम समर्थ, मलाही थाना प्रभारी करण सिंह, अवर निरीक्षक शिवाश्रय सिंह, सिपाही लक्ष्मण कुमार और महिला सिपाही खुशबू कुमारी शामिल रहे। पुलिस की इस तत्परता से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर आम जनता के बीच सकारात्मक संदेश गया है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि समाज में भय, हिंसा या अराजकता फैलाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अर्पणा सिंह ने पंचायत स्तर पर किया अभियान तेज

बैठक में उपस्थित नेता व कार्यकर्ता

बीएनएम। शिवहर

बेलसंड में जन सुराज नेत्री ने पंचायत स्तर पर अभियान तेज किया।प्रशांत किशोर के आगमन से पहले जनता से नितेश सिंह "महाराज" ने जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। 20 जून को 'बिहार बदलाव यात्रा' में बड़ी भागीदारी की उम्मीद जन सुराज की टीम ने विचार साझा कर लोगों को जुड़ने का न्योता दिया। मूनलाइट कोचिंग सेंटर परसौनी में बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रखंड अध्यक्ष सहित पंचायत अध्यक्ष को सम्मानित किया गया।प्रशांत किशोर की सोच को गांव तक पहुंचाने का प्रयास जारी हैं। "महाराज" ने कहा कि बदलाव की इस आंधी को कोई रोक नहीं सकता, क्योंकि लोगो ने इस बार मन बना लिया है। तो वहीं उपस्थित लोगों ने कहा कि बेलसंड विधानसभा क्षेत्र से अर्पणा सिंह महाराज होगी, गरीबों का दलितों का पिछड़ों का आवाज उठ गया है।

अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर

बीएनएम। शिवहर

जिला बार एसोसिएशन के सदस्यों को मतदान से अपना प्रतिनिधि चुनने के वैधानिक अधिकार से 20 माह से वंचित रखे जाने के कारण अध्यक्ष, बिहार स्टेट बार कौंसिल, पटना के निर्णयों से क्षुब्ध जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष / महासचिव शिशिर कुमार ने एसोसिएशन का चुनाव शीघ्रातिशीघ्र कराने हेतु पटना उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की है। धाकड़ अधिवक्ता सुनील कुमार वर्मा , सुमन कुमार वर्मा , अनीस कुमार और अंजली सिंह ने पिटीशनर श्रीकुमार की ओर से यह याचिका दायर की है। ज्ञात हो कि अधिवक्ताओं की इस मशहूर टीम ने ही शिवहर जिले में व्यवहार न्यायालय का कार्य शुरू कराने, सरोजा सीताराम सदर अस्पताल को चालू कराने और सीतामढ़ी - शिवहर - बापूधाम मोतिहारी रेल लाइन का निर्माण - कार्य शुरू कराने हेतु विभिन्न आवेदकों की ओर से पटना उच्च न्यायालय में जनहित याचिकायें दायर की थीं , जिनमें आवेदकों को पूर्ण सफलता मिली थी।याचिकाकर्ता अधिवक्ता शिशिर कुमार ने कहा है कि शिवहर जिला बार एसोसिएशन का चुनाव सितंबर , 2021 में ही ड्यू था लेकिन एक वर्ष अधिक बीत जाने के बावजूद तत्कालीन अध्यक्ष एवं महासचिव द्वारा चुनाव नहीं कराए जाने पर बिहार स्टेट बार कौंसिल ने पुरानी कमिटी को भंग कर इस निर्देश के साथ एक नई तदर्थ कमिटी का गठन कर दिया कि वह तीन माह के अंदर बार एसोसिएशन का चुनाव अनिवार्य रूप से करा लेगा। लेकिन तदर्थ कमेटी चुनाव कराने से भागती रही और उसके पदाधिकारियों ने इसे आपदा में एक अवसर समझ लिया और पूरे एसोसिएशन में अराजकता फैला दी। तदर्थ कमेटी के अधिकारी मनगढ़ंत बहाने बनाकर स्टेट बार कौंसिल से बार - बार अवधि - विस्तार की मांग करते रहे और बार कौंसिल के अध्यक्ष द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए अभीतक उन्हें तीन बार अर्थात् सात माह का अवधि विस्तार दिया जा चुका है। असीमित काल तक चुनाव नहीं कराने की स्टेट बार कौंसिल की मंशा को देखते हुए अधिवक्ताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने मजबूर हो कर पटना उच्च न्यायालय की शरण ली है।

अस्पताल में प्रसूता महिला की मौत, परिजनों ने किया बबाल

मृतका के शव को एम्बुलेंस में जानवर की तरह लादकर ले भागे अस्पताल कर्मी

बीएनएम। जमुई/ झाझा

अस्पताल के बाहर रोते बिलखते मृतक के परिजन

शहर स्थित बस स्टैंड के पास इमरजेंसी अस्पताल में प्रसव के बाद इलाज में लापरवाही बरतने से महिला की मौत हो गई। मृतका के पति एवं अन्य परिजनों ने निजी अस्पताल के संचालक और कर्मियों के खिलाफ जमकर बबाल काटा। मृतका के पति बैजला गांव निवासी गोकुल यादव ने बताया कि 16 जून को पत्नी को प्रसव के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचा। जहां कठबजरा के रहने वाले बैजला पंचायत की आशाकर्मी संजू देवी का पति कपिलदेव मुझे सबसे पहले जांच करवाने के लिए एक पैथोलॉजी भेज दिया और उसके बाद आशा और उसका पति बच्चा पेट में उल्टा होने की बात कहकर इमरजेंसी अस्पताल में भेज दिया और वहां आशाकर्मी ने पत्नी को भर्ती करवाया दिया। जहां सबसे पहले ब्लड जांच में 1900 रुपये लिया उसके बाद मुझसे सफ़लपूर्वक ऑपरेशन करके प्रसव कराने के लिए 32 हजार मांगे। जिसके बाद अन्य तरह की जांच और दवा के नाम पर 45 हजार रुपए ले लिये । तब ऑपरेशन किया । जिसके बाद मेरी पत्नी को बेटी हुई । वही शाम से तबियत ज्यादा बिगड़ने पर कम्पाउंडर कई तरह की सुई लगाने लगा। जिसके बाद मुझे पता चला कि पत्नी की स्थिति नाजुक बन गई। रातभर मुझे बहला फुसलाकर रखा और सुबह जब एक कमरा का दरवाजा खोलकर देखा तो पत्नी मृत पड़ी थी। हंगामा मचाने पर अस्पताल के कर्मी ने एम्बुलेंस में जानवर की तरह मेरी पत्नी के शव को रखकर जबरन जमुई ले गया। पति के सामने महिला की स्थिति गम्भीर बताते हुए अस्पताल के कर्मी ने पति और नवजात शिशु को अस्पताल में ही छोड़कर एम्बुलेंस से जमुई ले गया जिसके बाद परिजन अस्पताल के संचालक से घण्टो देर तक सम्पर्क किया लेकिन कुछ भी जबाब संचालक के द्वारा नही दिया जा रहा था। इस मामले में जब अस्पताल के संचालक झिग्गु से सम्पर्क करने की कोशिश की गई । लेकिन उसने फोन रिसीव नहीं किया।

चुनाव निकाय को बदनाम करना बेतुका

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मैच फिक्सिंग के आरोप में लिखे लेख पर चुनाव आयोग ने प्रतिक्रिया दी। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र में बीते साल हुए विधानसभा चुनाव में धांधली के दावों को खारिज किया। कहा कि अनुकूल चुनाव परिणाम न मिलने के बाद चुनाव निकाय को बदनाम करना बेतुका है। गांधी के अनुसार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली का ब्ल्यूप्रिंट था, जो बिहार में होने वाले चुनाव में भी दोहराया जाएगा। उन्होंने लिखा, मैच फिक्स किए चुनाव लोकतंत्र के लिए जहर हैं। जो पक्ष धोखाधड़ी करता है, वह भले ही जीत जाए मगर इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होती हैं और जनता का नतीजों से भरोसा उठ जाता है। आयोग ने अपने बयान में कहा, कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि हजारों प्रतिनिधियों को बदनाम और लाखों कर्मचारियों को हतोत्साहित करती है। राहुल ने आयोग के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा- आप संवैधानिक संस्था हैं। मध्यस्थों को बिना हस्ताक्षर वाले, टालमटोल वाला नोट जारी करना गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। हालांकि राहुल को आरोपों के पुख्ता सबूत देने के प्रयास भी करने चाहिए। महाराष्ट्र के मतदाताओं में 8ल की वृद्धि पर कांग्रेस ने उसी वक्त आपत्ति दर्ज की थी। सत्ता पक्ष का कहना है कि चुनाव में करारी हार को विपक्ष गले नहीं उतार पा रहा। इसलिए आरोप गढ़ कर मोदी सरकार को बदनाम करने का काम कर रहा है। चुनाव आयोग संविधान द्वारा स्थापित संवैधानिक निकाय होने के बावजूद मोदी सरकार के विभिन्न निर्णयों के बाद कई मौकों पर विवादों में आता रहा है। स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनाव का दारोमदार अंततः आयोग पर होता है। मगर पूर्व में चुनाव आयुक्त रह चुके सुकुमार सेन, टीएन शेषन और जेएम लिंग्दोह की तरह कोई भी संस्था की प्रतिष्ठा को अक्षुण्ण रखने में सफल नहीं हो सका। बात भाजपा नेताओं के सांप्रदायिक भाषणों की हो, इलेक्टोरल बॉन्ड या वोट संख्या की बजाय प्रतिशत जारी करने की, बार-बार आयोग पर पक्षपाती होने का आरोप लगा जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है।

देश के 'मिनी मुंबई' इंदौर पर लव जिहादियों की 'बुरी नजर'

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

हिन्दू लड़कियों को योजना से फंसाकर उनके साथ लव जिहाद कर उन्हें कन्वर्जन करने के सबसे अधिक मामले मध्य प्रदेश के इंदौर से सामने आ रहे हैं। लग रहा है जैसे देश के 'मिनी मुंबई' पर जिहादियों ने पूरी नजर गड़ा रखी है। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर की स्थिति इस वक्त इतनी खराब हो गई है कि हर रोज यहां धर्मपरिवर्तन का खेल खेला जा रहा है, जहां बात प्यार से न बनें, वहां लालच दो और जहां रुपये या अन्य महंगी वस्तुओं से काम न चले, वहां डर दिखाकर कन्वर्जन कराओ लेकिन गैर मुसलमानों को ज्यादा से ज्यादा इस्लाम में लाना जैसे यहां इस्लामवादियों का सबसे बड़ा मकसद नजर आ रहा है। यहां तक कि इस्लाम से जुड़े जनप्रतिनिधि भी इस मामले में सक्रिय नजर आए हैं।

कांग्रेस पार्षद दे रहा था लव जिहाद के लिए दो लाख रुपये तक की राशि- अब सामने आए प्रकरण में दो पीड़िताओं की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ रेप और धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर की गई है। इंदौर की बाणगंगा पुलिस की तहकीकात में सामने आया है कि लव जिहाद की घटना को अंजाम देने के लिए फंडिंग की गई, जिसमें पुलिस ने कांग्रेस पार्षद को भी 120बी के तहत आरोपित बनाया है । जांच के दौरान सामने आए वीडियो में दोनों आरोपियों साहिल शेख और मोहम्मद अल्ताफ ने कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी का नाम लिया, जिसने लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने और निकाह के लिए उन्हें मोटी रकम दी थी। उसने युवकों को एक लड़की को फंसाने के लिए एक लाख रुपये और निकाह कराने पर दो लाख रुपये देने की बात कही थी। साथ ही अधिकतम हिन्दू युवतियों को प्रेम जाल में फंसाकर बाद में वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेलना भी सामने आया है। पकड़े गए दोनों युवकों ने बताया कि पार्षद पहले फोटो देखकर आश्वस्त होता है कि लड़की हिन्दू है कि नहीं, फिर उसके बाद फंडिंग की जाती । प्रत्येक युवती को अपने जाल में फंसाने के लिए एक से दो लाख रुपये दिए जाते थे। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने बताया कि अनवर से सामाजिक कार्यक्रम के दौरान मुलाकात हुई थी। उसने दो लाख रुपये दिए थे। यह भी कहा कि इस काम को आगे बढ़ाओ। दूसरी ओर आरोपित साहिल खान को लेकर 18 वर्षीय पीड़िता ने अपनी आपबीती में बताया कि करीब पांच महीने पूर्व उससे हिन्दू नाम से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की गई थी। 12 मई को वह बातचीत के लिए युवती को दोस्त के रूम पर ले गया, जहां पूरी तरह भरोसे में लेकर शादी का झांसा देते हुए शारीरिक संबंध बनाए, इसके बाद साहिल उसे 30 मई को स्कीम-54 में एक कैफे पर मिलने बुलाता है जहां कई बार मना करने एवं विरोध के बाद उसके साथ जबरदस्ती की गई। बाद में उसकी असली पहचान मुस्लिम होना उजागर हुआ। उसने बताया कि वह मुसलमान है और अब तुम भी अपना धर्म बदल लो। उसने कहा कि तू जितना पैसा मांगेगी मैं दूंगा । फिर युवती को जबरदस्ती बुरका पहनाने की कोशिश की गई।

वीडियो वायरल होने से पुलिस के हाथ लगे लव जिहाद- एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया का पूरे मामले को लेकर कहना है कि यह कार्रवाई वायरल वीडियो के आधार पर की गई, अभी दो पीड़िताएं इस प्रकरण में सामने आई हैं, इसलिए अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज की गईं और साहिल-अल्ताफ दोनों को आरोपित बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इन दोनों पीड़िताओं के बयानों के आधार पर धाराएं बढ़ाई गई हैं। इसमें पार्षद अनवर कादरी को भी आरोपी बनाया जा रहा है। सभी आरोपितों से सघन पूछताछ जारी है। वहीं, थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने जानकारी दी कि आरोपी साहिल शेख और अल्ताफ खान ने सोशल मीडिया पर फर्जी हिंदू नामों से आईडी बना रखी थी, इन्हीं नामों से वे युवतियों को फंसाते थे। इसके लिए इन्होंने अपने नाम 'अर्जुन' और 'राज' रखे हुए थे। शिकायत करने सामने आई दोनों युवतियों से भी ये हिन्दू नाम से बात करते और उन्हें लव जिहाद का शिकार बनाया गया। इनकी मोबाइल जांच में सामने आया है कि एक बार किसी युवती के इसके झांसे में आने के बाद वे इन लड़कियों पर शादी करने एवं धर्म परिवर्तन का दबाव बनाते। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्षद ऐसे युवकों को फंडिंग करते, यह भी सामने आया है। आरोपित अल्ताफ ने अनवर से एक लाख रुपये लेना स्वीकारा है। पुलिस आरोपियों के बैंक खातों की जांच कर रही है। कादरी के अलावा भी अन्य लोगों की जांच की जा रही है। देरात पुलिस ने उसके घर छापा मारा लेकिन वह फरार हो गया। दोनों आरोपित सोमवार तक पुलिस रिमांड पर रहे। पुलिस इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है।

ओलंपिक शूटिंग एकेडमी के कोच मोहसिन खान का प्रकरण हाल ही में आया है सामने- दरअसल, इंदौर में लगातार लव जिहाद के केस सामने आ रहे हैं। ड्रीम ओलंपिक शूटिंग एकेडमी के कोच मोहसिन खान पर अब तक सात एफआरआर दर्ज हो चुकी हैं। उसने खुद एवं अन्य मुस्लिम दोस्तों व परिवार सदस्यों के साथ मिलकर कई हिन्दू लड़कियों को लव जिहाद का शिकार बनाया और रेप किया। बजरंग दल ने दावा किया है कि मोहसिन ने 150 से अधिक हिंदू युवतियों को अपने जाल में फंसाया । ऐसे ही पुलिस ने एक अन्य प्रकरण में फरहान और हन्नेन खान को पकड़ा तो इन दोनों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। आरोपित हन्नेन खान ने हिंदू युवती को अपना नाम आयुष पटेल बताकर झांसे में लेना बताया। पुलिस ने हन्नेन के फोन की जांच की तो कई हिंदू युवतियों की चैटिंग मिली। इसी तरह, आरोपित फरहान ने भी युवती को हिंदू नाम बताकर झांसे में लिया था। जब युवती को उसके मुस्लिम होने की सच्चाई का पता चला तो विजय नगर थाने में मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (लव जिहाद) की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंची। इस प्रकरण में पीड़िता के अनुसार, फरहान के कृत्य में उसकी मां अफसाना भी शामिल है। इसी तरह के लव जिहाद के एक मामले में खजराना निवासी तोहिद रजा का खुलासा हुआ। मामले में पीड़िता ने पुलिस को बताया कि महिला मित्र की जन्मदिन की पार्टी पर तोहिद पुत्र तोफिक रजा से दोस्ती हुई थी। उसने पीड़िता से मोबाइल नंबर ले लिए और दोनों की बातचीत होने लगी। आरोपित ने युवती से कहा था कि उसका नाम राहुल है। उसने शादी का झांसा दिया और उसके साथ शारीरिक संबंध बना लिए। कुछ समय बाद पता चला कि आरोपित का असली नाम तोहिद है और लव जिहादी है। उक्त प्रकरण में टीआइ सहर्ष यादव का कहना है कि तोहिद ने पीड़िता का वीडियो बना लिया था, जिसके बाद उसने ब्लैकमेल करना शुरू किया। इंटरनेट पर वीडियो डालने की वह पीड़िता को धमकी भी देता था। उसके विरुद्ध लूट-चोरी के गंभीर मामले दर्ज हैं। वह एमडी ड्रग्स का नशा भी करता है। यहां पत्नी-पत्नी और वो की एक और झकझोर देने वाली कहानी भी हाल ही में सामने आ चुकी है। एक पति ने पहले पांच पन्नों में अपनी दर्दभरी कहानी लिखी, फिर वीडियो बनाकर रोते हुए बताया कि कैसे उसकी पत्नी जिम में जाने के बाद एक 'लव जिहादी' की चंगुल में फंसी। तंग आकर उसने जहर खा लिया। उल्लेखनीय है कि इंदौर पुलिस की जांच में सामने आया कि शहर के कुछ कॉल सेंटर, जिम और शिक्षा केंद्रों को आरोपियों ने लव जिहाद की गतिविधियों का अड्डा बना रखा है। यहां मुस्लिम युवक हिंदू नाम से युवतियों से संपर्क करते हैं, फिर उन्हें दुष्कर्म का शिकार बनाते हैं। चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि इन मुस्लिम युवकों को इस काम में उनके परिवार की महिलाएं भी सहयोग करती नजर आ रही हैं।

विश्व हिन्दू परिषद, हिन्दू जागरण मंच एवं अन्य सनातन धर्म से जुड़े हिन्दू संगठनों का कहना है कि इंदौर में लव जिहाद का बड़ा षड्यंत्र चल रहा है। हिन्दू नाम रखने से इन इस्लामवादियों की मूल पहचान छिपी रहती है और हिन्दू लड़कियां उनके झांसे में आ जाती हैं। यह सीधे हिन्दू संस्कृति पर भी हमला है। पुलिस इस मामले में सघन जांच अभियान चलाए और अन्य जितने भी इस तरह के रैकेट चल रहे हैं, उनका पर्दाफाश करे। वहीं, इन संगठनों को लगता है कि इस प्रकरण में भी जिस तरह से आरोपियों के मोबाइल से कई आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भी बरामद हुए हैं।

सूडोकु नवताल- 7464

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7463 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

भविष्य बताने वाले, वर्तमान से बेखबर?

प्रियंका सौरभ

जब भी आपदा आती है भविष्य बांचने वाले ऑफलाइन मिलते हैं। कई तो यह तक दावा करते हैं कि उनका 'ऊपर वाले से सीधा संपर्क' है। ऐसे देववाचक भी हर बड़ी आपदा, दुर्घटना या संकट के समय चुप क्यों हो जाते हैं? यह बड़ा सवाल इसलिए है कि क्या उनका दिव्य नेटवर्क केवल चढ़ावे और चमत्कार तक सीमित है? सवाल यह भी है कि इनका नेटवर्क अचानक उस समय क्यों डाउन हो जाता है जब कोई भयंकर आपदा, ट्रेन हादसा, प्लेन क्रैश, या भूकंप आता है? तकनीक प्रौद्योगिकी का जमाना है तो सवाल उठना लाजिमी है कि क्या इनकी ज्योतिषीय सेटिंग में कोई सर्वर एरर आ जाता है? या फिर 'अदृश्य शक्ति' भी सावधानी का बोर्ड लगाकर छुट्टी पर चली जाती है? यह प्रश्न अब मजाक नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक विमर्श का विषय बन चुका है। अब जब कोई गंभीर संकट आता है, तो सबसे पहले न्यूज चैनल, वैज्ञानिक एजेंसियां या रेस्क्यू टीमें सक्रिय होती हैं। मगर वह बाबा नजर नहीं आते जिनका दावा होता है कि वे भविष्य देख सकते हैं या ईश्वर से सीधी बातचीत कर सकते हैं। यह वही लोग हैं जो टीवी पर, मंचों पर और यूट्यूब लाइव में हजारों लोगों के सामने आंखें मूंदकर बड़े भावुक अंदाज में कहते हैं-"बेटा, तेरा समय बदलने वाला है", "तू अगले जन्म में साधु बनेगा", या "तेरे कुल में बहुत बड़ा संत हुआ था"। लेकिन जब देश के किसी कोने में कोई बच्चा बोरवेल में गिरता है, जब प्लेन क्रैश होता है, जब कोई महामारी फैलती है-तो ये भविष्यवक्ता नदारद होते हैं। सवाल यह उठता है कि यदि इनके पास सचमुच कोई 'दिव्य दृष्टि' है तो वो सार्वजनिक हित में क्यों नहीं लगाई जाती? क्या इनकी चेतना सिर्फ 'प्रेम विवाह के उपाय', 'दुश्मन को वश में करने की विधि' या 'विदेश यात्रा कब होगी' जैसे प्रश्नों तक ही सीमित है? क्या ईश्वर से सीधा संपर्क रखने वाले लोगों की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वे देश, समाज और मानवता के हित में समय रहते चेतावनी दें? हाल ही में एक वायरल टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी- "इतने बड़े-बड़े भविष्य वक्ता, ऊपर वाले से सीधा संपर्क... फिर भी किसी बड़े हादसे की खबर तक नहीं मिलती!" यह वाक्य जितना सरल है, उतना ही तीव्र और तर्कपूर्ण भी है। क्योंकि यह धार्मिक चमत्कारों की उस 'औद्योगिक प्रणाली' पर सवाल खड़ा करता है जो लोगों की भावनाओं को भुनाकर अरबों का कारोबार करती है। आजकल हर गली-मोहल्ले में कोई न कोई ब्रांड है। किसी की टैगलाइन है "भाग्य बदलिए", तो कोई कहता है "समस्या का समाधान सिर्फ 7 दिन में"। कुछ तो ऐसे हैं जो स्वयं को 'ईश्वर का अवतार' घोषित कर चुके हैं। लेकिन जब देश में कोई आपदा आती है, तो ये सब 'अवतार' अंडरग्राउंड हो जाते हैं। इनके आश्रमों में सन्नाटा छा जाता है और प्रवचन मंचों पर 'प्रेस नोट' चस्पा कर दिया जाता है-"बाबा जी ध्यान साधना में हैं, कृपया किसी अन्य समय संपर्क करें।" विचार कीजिए, यदि ये लोग सचमुच संकट पूर्वानुमानित कर सकते हैं, तो क्यों नहीं एनडीआरएफ या प्रधानमंत्री कार्यालय को पहले से सूचित कर देते? क्यों नहीं आपदा प्रबंधन में इनका कोई उल्लेख होता है? कारण स्पष्ट है-इनकी 'भविष्यवाणी' एक मार्केटिंग उत्पाद है, एक प्रकार की 'भावनात्मक ज्योतिषीय फैंटेसी', जिसे धार्मिक आस्था की चादर में लपेटकर बेचा जा रहा है। दुख की बात यह है कि यह लोग आमजन की पीड़ा और अज्ञान का लाभ उठाकर एक ऐसा मायाजाल बुनते हैं जिसमें न तर्क है, न पारदर्शिता। इनकी भविष्यवाणी 'जेनरिक' होती है-"अगले 6 महीने बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे", "देश में बड़ी घटना होने वाली है", "भूकंप या महामारी की संभावना है"। अब जरा सोचिए, ये तो किसी भी समय पर लागू किया जा सकता है। यह 'वाटरप्रूफ' भविष्यवाणी होती है-गलत हुई तो कहा जाएगा 'तुम्हारी श्रद्धा कम थी', सही हुई तो 'देखा, बाबा ने पहले ही बताया था'! बाजार ने भी इनकी दुकानदारी को बढ़ावा दिया है। टीवी चैनलों से लेकर सोशल मीडिया तक, हर जगह इनका बोलबाला है। इनके प्रवचन में भक्ति कम, ब्रांडिंग अधिक होती है। कोई यू-ट्यूब पर लाइव भविष्यवाणी करता है। कोई इंस्टाग्राम पर ध्यान सत्र लेता है। इनके पास एचडी कैमरे, माइक सेटअप, वीडियो एडिटर तो हैं पर जब देश को 'दिव्य चेतावनी' चाहिए होती है, तब इनका नेटवर्क फेल हो जाता है। यह विडंबना नहीं, त्रासदी है कि भारत जैसे देश में जहां विज्ञान, तकनीक और आपदा प्रबंधन की व्यापक ज़रूरत है, वहां संकट की घड़ी में लोग अब भी किसी ऐसे चमत्कारी की 'फेसबुक लाइव' पर आश्वासन खोजते हैं। यह एक गहरी सामाजिक असुरक्षा और वैज्ञानिक सोच की कमी का परिचायक है। यहीं पर जिम्मेदारी बनती है सरकारों, शिक्षकों और सामाजिक संस्थानों की। धर्म आस्था का विषय है, लेकिन जब वह वैज्ञानिक विवेक, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवता से दूर जाकर एक 'कॉरपोरेट माया' बन जाए, तो उसके खिलाफ खड़ा होना जरूरी है। यह कोई धर्म-विरोध नहीं, बल्कि अंधविश्वास-विरोध है।

मेष राशिः आज भाग्य आपका साथ देगी। आज साझेदारी में किए गया काम फ़ायदा दिलाने वाला है, लेकिन इसी क्षेत्र से जुड़े लोगों से आज आपको काफी विरोध का सामना करना पड़ेगा। विवादों में उलझने से बचें। पुराने रोग से आज आपको राहत मिलेगी। विवाहितों का आज किसी बात को लेकर पार्टनर से मन-मुटाव हो सकता है।

वृष राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपके मन में कई तरह के विचार चलते रहेंगे। महत्वपूर्ण मामलों पर लोगों से बातचीत का मौका मिलेगा और आपको इसका फायदा भी होगा। इस राशि के विवाहित आज परिवार संग किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिये जा सकते हैं।

मिथुन राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के लोग उधार लेने और देने से बचें। मित्रों के साथ अधिक समय व्यतीत करें क्योंकि उनके लिये आपके पास कुछ अच्छी खबर हो सकती है। जो आपके लिये फायदेमंद हो सकती है। इस राशि के लोगों को अपने बेहतर सेहत के लिए मीठे पर नियंत्रण रखना होगा। ,

कर्क राशिः आज आपका मन रचनात्मक कार्यों में रहेगा। आज किसी नई रचना की शुरुआत करेंगे। आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। स्वास्थ्य आज फिट रहेगा। बिगड़ी हुई स्थिति में सुधार आयेगा। नई शुरुआत के लिए समय ठीक है। आप जो भी करेंगे, उसके साथ कुछ एक्स्ट्रा जिम्मेदारी भी मिलेगी। दूर का कोई करीबी आज आपसे मदद का मांग कर सकता है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। किसी शुभ समाचार के मिलने का योग नजर आ रहा है। आज पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाने में आप सफल रहेंगे। आज मनोरंजन में पैसे खर्च हो सकते हैं, इससे आपको आनन्द की प्राप्ति होगी। शाम को बच्चों के साथ अच्छा टाइम बीतेगा। आज आपको कई दिनों से रुके हुए काम में सफलता मिल सकती है।

कन्या राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। काम-धंधे में आज आपका मन लगेगा। अगर आज किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है । किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें ।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नए व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ हो सकता है। अगर आप नई जमीन लेने की सोच रहे हैं तो आज खरीद सकते हैं । इससे आपको भविष्य में फायदा जरूर होगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। लॉ के क्षेत्र से जुड़े स्टूडेंट्स आज अपने समय का सदुपयोग करें। कॉलेज से मिले प्रोजेक्ट को आज सीनियर्स की मदद से पूरा कर लीजिए वरना टीचर्स से आपको डांट पड़ सकती है। आज पेरेंट्स को अपने बच्चों के खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है।

धनु राशिः आज आपकी नए कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इक्` में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा। ऑफिस में आज एक्सट्रा वर्क करने से रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा, जिससे खुश होकर बॉस आपकी पीठ थपथपा सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे और कुछ सहकर्मी आपके विपक्ष में रहेंगे। आज आपके सकारात्मक विचारों से खुश होकर बॉस आपको उपहार स्वरूप कोई उपयोगी वस्तु गिफ्ट कर सकते हैं।

कुम्भ राशिः अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी ऐसे स्थान पर हो सकता है, जहां से अप एंड डाउन करने में थोड़ी प्रॉब्लम होगी। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपका समय परिवार वालों के साथ अधिक बीतेगा साथ ही कहीं बाहर घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं ।

मीन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपकी मुलाकात किसी पुराने मित्र से हो सकती है। जो आगे चलकर आपके लिए फायदेमंद होगी। आज आपको व्यापार में अचानक से धनलाभ का अवसर प्राप्त हो सकता है। इस राशि के लवमेट आज लॉन्ग ड्राइव पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

भारत में तकनीकी वस्त्र का बढ़ता दायराः एनटीटीएम और पीएलआई ने बदली तस्वीर

गिरिराज सिंह

कुछ साल पहले, तकनीकी वस्त्रों को एक सीमित खंड के रूप में देखा जाता था। इसका दायरा सीमित था, इसमें कम निवेश किया जाता था और आयात पर यह बहुत अधिक निर्भर था लेकिन आज, यह भारत के औद्योगिक परिवर्तन के केंद्र में हैं। यह बदलाव आकस्मिक नहीं है। यह माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप अपनाई गई रणनीति, नीतिगत दूरदर्शिता और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का परिणाम है। चाहे कोविड-19 संकट के दौरान पीपीई उत्पादन को बढ़ाना हो, स्वदेशी सुरक्षात्मक गियर के साथ सशस्त्र बलों को सुसज्जित करना हो या ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण सामग्रियों की आपूर्ति करना हो, तकनीकी वस्त्रों ने राष्ट्रीय तैयारियों और औद्योगिक प्रगति के कारक के रूप में अपनी भूमिका का प्रदर्शन किया है।

श्रेष्ठ से रणनीतिक तकः नीतिगत अनिवार्यता- राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) की समीक्षा बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण क्षण तब आया, जब मुझे इसरो के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ से बातचीत करने का अवसर मिला। उन्होंने कार्बन फाइबर, अल्ट्रा-हाई मॉलिक्यूलर वेट पॉलीइथिलीन और नायलॉन 66 जैसे उच्च प्रदर्शन वाले एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए आवश्यक सामग्री की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित किया। उनका संदेश स्पष्ट थाः भारत को इस क्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता को कम करने के लिए और हमारी वैज्ञानिक उन्नति के अगले स्तर के मार्ग को प्रशस्त करने के लिए इन क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमताओं का निर्माण करना चाहिए। इस बातचीत के दौरान प्रयोगशालाओं से लेकर लॉन्चपैड तक भारत की विकास गाथा में तकनीकी वस्त्रों के रणनीतिक महत्व को भी रेखांकित किया गया।

लैब से लेकर लॉन्चपैड व युद्ध के मैदान तक- रक्षा क्षेत्र ने भी इस परिवर्तन के रणनीतिक मूल्य को महसूस करना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए हाल ही में हमारे सशस्त्र बलों द्वारा संचालित ऑपरेशन सिंदूर को लें, जहां सुरक्षात्मक कपड़ों और बैलिस्टिक गियर से लेकर छलावरण वाले कपड़ों और रासायनिक-जैविक सुरक्षा सूट तक तकनीकी वस्त्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चूंकि हमने घरेलू क्षमता निर्माण में जल्दी निवेश करना शुरू कर दिया था, इसलिए आज हम अपने रक्षा क्षेत्र को न केवल जनशक्ति के साथ, बल्कि वैश्विक मानकों को पूरा करने वाली सामग्री के साथ मदद पहुंचाने में सक्षम हैं, जिसे भारतीय धरती पर विकसित और निर्मित किया गया है।

तकनीकी वस्त्रों को समझें- तकनीकी वस्त्र वे विशेष प्रकार के कपड़े होते हैं, जो सौंदर्य की बजाय कार्यक्षमता के लिए बनाए जाते हैं जिन्हें अक्सर जीवन रक्षक या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के तहत कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें बुलेट-प्रतिरोधी जैकेट, अग्निरोधी वर्दी, सर्जिकल गाउन, किसानों के लिए एंटी-बैक्टीरियल शीट, सड़क-सुदृढ़ीकरण जियो-ग्रिड और बहुत कुछ शामिल हैं। यह क्षेत्र जियोटेक, मेडिटेक, प्रोटेक, एग्रोटेक और बिल्डटेक सहित 12 प्रमुख खंडों में फैला हुआ है। 2024 तक, भारत के तकनीकी वस्त्र बाजार का मूल्य 26 बिलियन अमरीकी डॉलर था। हम 2030 तक 40-45 बिलियन अमरीकी डॉलर को छूने की राह पर हैं, जो 10-12 प्रतिशत की आकर्षक वार्षिक दर से बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर तकनीकी वस्त्र, कुल कपड़ा उत्पादन का लगभग 27 प्रतिशत है जबकि भारत में यह आंकड़ा केवल 11 प्रतिशत है। हालांकि सही दिशा में प्रयास करने से हम इस अंतर को तेज़ी से कम कर रहे हैं।

विकास को गति देने के लिए प्रमुख सरकारी पहल- इस क्षेत्र की वास्तविक क्षमता को उजागर करने के लिए, भारत सरकार ने दो प्रमुख पहलों- राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) और वस्त्रों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के माध्यम से कुल 12,000 करोड़ रुपए का परिव्यय किया है। ये कार्यक्रम अलग-अलग काम करने के बजाय, साथ मिलकर, भारत को तकनीकी वस्त्रों के एक वैश्विक केंद्र के रूप में बदल रहे हैं। एनटीटीएम के तहत, हम अनुसंधान और नवाचार में केंद्रित निवेश को बढ़ावा दे रहे हैं। 510 करोड़ रुपए की सरकारी मदद के साथ कुल 168 उच्च-प्रभाव वाली परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें से कई पहले ही प्रयोगशाला से बाजार में आ चुकी हैं जिनमें फायर एंट्री सूट का विकास और भू-वस्त्रों के लिए परिपत्र बुनाई तकनीक शामिल हैं।

एनटीटीएमः नवाचार को बढ़ावा देना और कौशल प्रदान करना- आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण से प्रेरित, राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन नवाचार और कौशल विकास के लिए मजबूत नींव रख रहा है। वहीं 17 स्टार्टअप को ग्रेट (तकनीकी वस्त्रों में महत्वाकांक्षी नवप्रवर्तकों के लिए अनुसंधान और उद्यमिता के लिए अनुदान) योजना के तहत सहायता मिली है। 2,000 से अधिक छात्र 41 शीर्ष संस्थानों में तकनीकी वस्त्र पाठ्यक्रम कर रहे हैं जो 16 उद्योग-आधारित कौशल मॉड्यूल द्वारा समर्थित हैं और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल को आकार दे रहे हैं।

मांग पैदा करना, वैश्विक उपस्थिति को बढ़ावा देना- मुख्य स्तंभ के रूप में बाजार विकास के साथ, एनटीटीएम घरेलू स्तर पर अपनाने के साथ-साथ वैश्विक पहुंच का भी विस्तार कर रहा है। स्वास्थ्य सेवा, कृषि, बुनियादी ढांचे और रक्षा जैसे क्षेत्रों में 73 तकनीकी वस्त्र सामग्रियों के अनिवार्य उपयोग ने उन्हें सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में एकीकृत किया है। भारत टेक्स 2025 सहित 30 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों ने भारत की स्थिति को मजबूती दी है। इस बीच, कुल मिलाकर मानव निर्मित कपड़ा निर्यात 2020-21 में 4.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 5.3 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। वहीं आयात में कमी से बढ़ती आत्मनिर्भरता और प्रतिस्पर्धात्मकता का संकेत मिलता है।

प्रदर्शन को नीति से जोड़नाः पीएलआई ढांचा- निजी क्षेत्र में, प्रदर्शन को पुरस्कृत किया जाता है। जो लोग लक्ष्य से अधिक प्रदर्शन करते हैं, उन्हें आगे बढ़ने और देश के रोजगार परिदृश्य को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यही सिद्धांत अब उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के माध्यम से हमारी औद्योगिक नीति को दर्शाता है। यानी प्रोत्साहन अब सब्सिडी नहीं, बल्कि प्रदर्शन से जुड़े पुरस्कार हैं। भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए, विनिर्माण को एक मिशन की तरह माना जाना चाहिए, जिसमें स्पष्ट मीट्रिक, वाणिज्यिक व्यवहार्यता और विकासोन्मुख मानसिकता हो।

एनटीटीएम और पीएलआई साथ मिलकर एक दोहरे इंजन का काम करते हैंः जहां एनटीटीएम अनुसंधान, शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से नींव रखता है, पीएलआई योजना विकास को गति दे रही है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

डब्ल्यूटीसी फाइनल में जीत को रबाडा ने जीवन का सबसे यादगार पल बताया

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के स्टार तेज़ गेंदबाज़ कगिसो रबाडा ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 में ऑस्ट्रेलिया पर मिली ऐतिहासिक जीत को अपने जीवन का सबसे यादगार पल बताया है। हालांकि, यह उपलब्धि व्यक्तिगत रूप से बेहद खास थी, लेकिन रबाडा ने इसे पूरी टीम की जीत बताया और साथी खिलाड़ियों के समर्पण की खुलकर तारीफ की। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए इस फाइनल मुकाबले में रबाडा ने कुल 9 विकेट चटकाए और एक बार फिर यह साबित किया कि वह टीम के सबसे भरोसेमंद गेंदबाजों में से हैं। इस प्रदर्शन के साथ वह साउथ अफ्रीका के टेस्ट इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं, उन्होंने महान एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़ दिया। रबाडा अब तक 150 से अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट (38.9) रखने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने आईसीसी के हवाले से कहा, "मैं खुद को सितारा नहीं मानता। मैं खुद को एक ऐसा खिलाड़ी मानता हूं जो मेहनत करता है, टीम के लिए खून-पसीना बहाता है और लगातार बेहतर बनने की कोशिश करता है। मैं हर मैच में विकेट लेने की सोच लेकर उतरता हूं, लेकिन यह भी जानता हूं कि अकेले नहीं जीत सकता। हम सभी खिलाड़ी किसी वजह से दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।" उन्होंने यह भी बताया कि यह टीम महज़ एक साल पहले बनी है और ज्यादा अनुभव भी नहीं था, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों ने इतिहास

रच दिया।

रबाडा की शानदार शुरुआत- फाइनल की पहली सुबह ही रबाडा ने उस्मान ख्वाजा और कैमरून ग्रीन को एक ही ओवर में आउट कर मैच का रुख बदल दिया। पहली पारी में उन्होंने 5 विकेट पर 51 रन दिए और दूसरी पारी में भी 4 विकेट लेकर मैच में कुल 9 विकेट लिए। इस प्रदर्शन के साथ वे लॉर्ड्स के घरेलू और मेहमान दोनों ड्रेसिंग रूम में ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ महान बल्लेबाज़ गॉर्डन ग्रीनिज को मिली थी। उन्होंने कहा, "दूसरी पारी के स्पेल सबसे कठिन होते हैं जब थकान होती है। लेकिन यही वो पल होते हैं जो असली मायने रखते हैं। हमने होश संभाले रखे और योजनाबद्ध तरीके से गेंदबाज़ी की। एक समय तो ऐसा आया जब अचानक पांच विकेट गिर गए – यह एक पागलपन भरा क्रिकेट मैच था।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे मन में दो आवाजें होती हैं – एक जो शक करती है और एक जो विश्वास दिलाती है। हमने विश्वास वाली आवाज को पोषित किया और यही वजह रही कि यह प्रदर्शन संभव हो सका।" रबाडा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकॉर्ड और भी प्रभावशाली हो गया है। उन्होंने अब तक 58 विकेट झटके हैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, वो भी मात्र 21.39 की औसत से। उन्होंने कहा, "ऑस्ट्रेलिया एक अनुभवी टीम है, लेकिन अब उम्रदराज़ भी हो चली है। कुछ खिलाड़ी तो ऐसे हैं जिन्हें हमने स्कूल में रहते हुए टीवी पर देखा था।

आईसीसी रैंकिंग में स्मृति मंधाना की धमाकेदार वापसी, बनीं नंबर वन

नई दिल्ली। भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक बार फिर आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है। 28 वर्षीय मंधाना ने एक स्थान की छलांग लगाते हुए यह मुकाम दोबारा हासिल किया है। वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंची हैं। इस बार मंधाना के 727 रेटिंग अंक हैं, जबकि दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से मौजूद दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्डु और इंग्लैंड की नई कप्तान नैट सिवर-ब्रंट के पास 719 अंक हैं। वोल्वार्डु को वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती दो वनडे मैचों में केवल 27 और 28 रन बनाने का खामियाजा उठाना पड़ा, जिससे वह शीर्ष स्थान से फिसल गईं। वह पिछले छह महीनों से अधिक समय से नंबर 1 पर काबिज थीं। वोल्वार्डु की टीम की खिलाड़ी टैज़मिन ब्रिट्स ने पहले वनडे में अर्धशतक जमाकर रैंकिंग में 5 स्थान की छलांग लगाई

है और अब वह 27वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में शुरुआती मुकाबला चार विकेट से गंवाने के बाद दूसरे मैच में 40 रनों से जीत दर्ज कर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। दक्षिण अफ्रीका की ही पूर्व कप्तान सुने लूस ने दूसरे मैच में 76 रन की शानदार पारी खेली और बल्लेबाजों की सूची में 7 स्थान की छलांग लगाकर 42वें स्थान पर पहुंच गईं। साथ ही, उन्होंने गेंदबाजों की सूची में भी 7 स्थान की बढ़त हासिल कर 42वें नंबर पर जगह बनाई। वेस्टइंडीज की ओपनर किआना जोसेफ ने पहले मैच में 60 रन की पारी खेली और वह रैंकिंग में 12 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 67वें स्थान पर पहुंच गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में वेस्टइंडीज की स्पिनर एफी फ्लेचर और दक्षिण अफ्रीका की नोंकुलुलेको म्लाबा ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। दोनों ने दूसरे वनडे में 4-4 विकेट चटकाए और क्रमशः 4 और 6 स्थान की छलांग लगाकर 19वें और 23वें स्थान पर पहुंच गईं।

महिला विश्व कप के बाद वनडे को अलविदा कहेंगी सोफी डिवाइन, टी20 करियर रहेगा जारी

वेलिंगटन/नई दिल्ली। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने घोषणा की है कि वह इस वर्ष भारत और श्रीलंका में होने वाले 50 ओवर के महिला विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के साथ कैजुअल (चयनित) अनुबंध के तहत उपलब्ध रहेंगी। 35 वर्षीय डिवाइन ने यह घोषणा न्यूजीलैंड की 17 सदस्यीय महिला अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची जारी होने से ठीक एक दिन पहले की है। चूंकि वह अब केंद्रीय अनुबंध का हिस्सा नहीं होंगी, इसलिए विश्व कप के बाद एक नई वनडे कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। डिवाइन ने 2006 में 17 साल की उम्र में वनडे डेब्यू किया था और करीब 19 वर्षों तक न्यूजीलैंड की एक प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक वनडे खेलने वाली खिलाड़ियों

की सूची में दूसरे स्थान पर हैं और वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर हैं। लेकिन संभावना है कि विश्व कप के दौरान वह 4000 रन का आंकड़ा पार कर डेबी हॉकलि को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगी। उनके नाम 8 वनडे शतक हैं, जो न्यूजीलैंड की महिलाओं में सुजी बेट्स के बाद दूसरा सर्वोच्च आंकड़ा है। साथ ही, वह 100 से अधिक विकेट लेने वाली दो न्यूजीलैंड महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, और इस सूची में भी ली ताहुहु के बाद दूसरे स्थान पर हैं। डिवाइन ने एक बयान में कहा, "मुझे लगता है कि यह सही समय है धीरे-धीरे पीछे हटने का। एनजेडसी का सहयोग पाकर मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं। इससे मुझे टीम के साथ जुड़े रहने का मौका भी मिलेगा।" उन्होंने आगे कहा, "यह मेरे लिए जरूरी है कि सभी जानें कि मैं पूरी तरह समर्पित हूं और विश्व कप तक इस टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इस युवा टीम के भविष्य को लेकर मैं उत्साहित हूं और आने वाले 6–9 महीनों में अपनी भूमिका निभाने को लेकर तैयार हूं।" एनजेडसी की महिला हाई परफॉर्मेंस प्रमुख लिज़ ग्रीन ने कहा, "सोफी ने व्हाइट फर्न्स के लिए लगभग दो दशक तक सेवा दी है। हम उनके निर्णय का पूरी तरह समर्थन करते हैं और यह समझौता उनके और टीम दोनों के लिए सकारात्मक है।" एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वीनिंक ने कहा, "सोफी डिवाइन एक असाधारण लीडर और खेल की महान ऑलराउंडर्स में से एक रही हैं। उनकी विरासत और युवा खिलाड़ियों के विकास के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायक है।"

आईसीसी के खिताबी मुकाबलों में अब तक चार बार हारी है ऑस्ट्रेलिया

मुम्बई। अब तक सबसे अधिक आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी चार बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम आईपीसी टूर्नामेंट में खेलते समय बेहद जुनूनी और आक्रामक हो जाती है जो उसकी सफलता का राज माना जाता है। इसी कारण उसे अन्य टीमों से काफी अधिक सफलता मिली है। ऑस्ट्रेलिया के पास आईसीसी की सबसे ज्यादा ट्रॉफी हैं क्योंकि उसने सबसे अधिक फाइनल खेले हैं हालांकि इसके बाद भी उसे इस बार आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 के फाइनल में कमजोर समझी जाने वाली दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले तीन बार और ऑस्ट्रेलिया की टीम आईसीसी इवेंट के फाइनल में हारी झेलनी पड़ी है। ऑस्ट्रेलिया की टीम सबसे पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट के पहले फाइनल में 1975 में वेस्टइंडीज से हारी थी। ये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का पहला एकदिवसीय विश्वकप था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया एकमात्र टीम है, जिसने इन 50 सालों में सबसे ज्यादा फाइनल खेले हैं और उसे कुछ में ही हार का सामना करना पड़ा है। सबसे ज्यादा फाइनल जीते हैं, लेकिन सबसे कम फाइनल हारे हैं। साल 1975 के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी बार आईसीसी

एकदिवसीय विश्वकप फाइनल 1996 में श्रीलंका से हारी थी। ये दूसरा अवसर था, जब ऑस्ट्रेलिया को किसी मेगा इवेंट के खिताबी मैच में करारी हार मिली थी। इसके बाद 2010 तक कंगारु टीम कोई भी फाइनल नहीं हारी। इस दौरान कई आईसीसी इवेंट वह जीती। साल 2010 में तीसरी बार आईसीसी इवेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम हारी। ये टी20 विश्वकप फाइनल इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था। इस प्रकार उसे तीसरी बार फाइनल में हार मिली। है, जो डब्ल्यूटीसी 2025 का फाइनल था। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक कुल 10 आईसीसी इवेंट जीते हैं, जबकि भारतीय टीम ने 7 ट्रॉफी जीती हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 6 एकदिवसीय विश्वकप, दो चैंपियंस ट्रॉफी और एक-एक टी20 विश्व कप और टेस्ट चैंपियनशिप जीती हैं।

अवैध सट्टेबाजी ऐप्स प्रमोशन मामले में हरभजन, सहित इन तीन क्रिकेटरों पर ईडी ने शिकंजा कसा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह , हरभजन सिंह और सुरेश रैना के लिए अवैध सट्टेबाजी ऐप्स का प्रमोशन करना महंगा पड़ सकता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इन अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स की जांच तेज कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस जांच में क्रिकेटरों के अलावा अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और अभिनेता सोनू सूद से भी पूछताछ की जा रही है। यह जांच एक प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म के प्रचार से जुड़ी है। ईडी का मानना है कि ये प्लेटफॉर्म भ्रामक विज्ञापन और गलत तरीकों से लोगों से पैसा ऐंठ रहा है। जांच में पता चला है कि ये प्लेटफॉर्म गलत तरीक का इस्तेमाल कर विज्ञापन करते हैं। ये वेब लिंक और क्यू आर कोड के जरिए यूजर्स को असली अवैध सट्टेबाजी साइटों पर भेजते हैं। ईडी के अनुसार, यह भारतीय कानूनों का उल्लंघन है। वहीं ये ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म खुद

को स्किल-आधारित गेम बताते हैं पर ये असल में धोखेबाजी के लिए रिग्ड एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए, ये जुए के दायरे में आते हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार इस प्रकार के प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म सेलिब्रिटीज का सहारा लेकर लोगों को गुमराह करते हैं। शुरुआती जांच में कई कानूनों सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम धन शोधन निवारण अधिनियम के उल्लंघन की बात सामने आयी है। रिपोर्ट के अनुसार, हरभजन सिंह और सुरेश रैना और उर्वशी रौतेला व सोनू सूद के प्रतिनिधियों ने अब तक इसपर कोई जवाब नहीं दिया है।

व्यापार

शुरुआती तेजी के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में थोड़ी तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इन दोनों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.26 प्रतिशत और निफ्टी 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, फार्मास्यूटिकल और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स और एफएमसीजी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी और टेक इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज

बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 447.79 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 450.52 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.73 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,118 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,496 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,483 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 139 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,589 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 828 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,761 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 73.32 अंक की तेजी के साथ 81,869.47 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 81,890.15 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इस तेजी के कुछ मिनट बाद ही बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिससे सेंसेक्स गिरकर लाल निशान में पहुंच गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 1 बजे के करीब ये सूचकांक 369.14 अंक टूट कर 81,427.01 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 150 अंक से अधिक की रिकवरी करके 212.85 अंक की कमजोरी के साथ 81,583.30 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 31.35 अंक की मजबूती के साथ 24,977.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही ये सूचकांक मामूली तेजी के साथ 24,982.05 अंक के स्तर पर पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से निफ्टी ने लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 1 बजे तक ये सूचकांक 132.80 अंक फिसल कर 24,813.70 अंक तक आ गया।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के कीमत में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,050 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये से लेकर 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,000 रुपये से लेकर 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज 100 रुपये की मामूली तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार

कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जैनिक पावर ने कमजोर लिस्टिंग से किया निराश, आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही जबरदस्त नुकसान

नई दिल्ली। एल्यूमिनियम वायर और पावर केबल्स बनाने वाली कंपनी जैनिक पावर एंड केबल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 110 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 25.45 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 82 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 86.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक भी पहुंचा, लेकिन कुछ देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इसका अपर सर्किट ब्रेक हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद जैनिक पावर के शेयर 82.60 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह कंपनी

के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन ही प्रति शेयर 27.40 रुपये यानी 24.91 प्रतिशत का नुकसान हो गया। जैनिक पावर एंड केबल्स का 51.30 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.54 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.13 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 46,63,200 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपना नया प्लांट लगाने, पुराने कर्ज चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 15 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 5.02 करोड़ रुपये और 2024-25 में 9.24 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

श्रम मंत्रालय की योजनाओं से 50 लाख से अधिक असंगठित श्रमिकों को मिली राहत

नई दिल्ली। श्रम मंत्रालय की कल्याणकारी योजनाओं से 50 लाख से अधिक बीड़ी, सिनेमा और खान श्रमिकों को राहत मिली है। राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के जरिए कार्यान्वित की जाने वाली इस योजना के तहत हर साल एक लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त होते हैं, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) पारदर्शी और समय पर संवितरण सुनिश्चित करता है। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि मंत्रालय की कई कल्याणकारी योजनाओं ने 50 लाख से अधिक श्रमिकों और उनके परिवारों को सहायता प्रदान की है। श्रम और रोजगार मंत्रालय की श्रम कल्याण महानिदेशालय (डीजीएलडब्ल्यू) के माध्यम से भारत में असंगठित श्रमिकों, विशेष रूप से बीड़ी, सिनेमा और खनन क्षेत्रों में जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित कल्याणकारी योजनाओं की एक श्रृंखला को लागू करना जारी रखा है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, "50 लाख से अधिक श्रमिकों और उनके परिवारों पर सीधे प्रभाव डालने वाली ये योजनाएं सरकार की समावेशी और श्रम कल्याण रणनीति की आधारशिला हैं।" इसके तहत कल्याण ढांचे के प्रमुख घटकों में से एक शिक्षा सहायता योजना है, जो बीड़ी, सिनेमा और गैर-कोयला खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए एक हजार रुपये से 25,000 रुपये तक की वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान

करती है। मंत्रालय के मुताबिक ये लक्षित योजनाएं न केवल असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक सुरक्षा में सुधार लाती हैं, बल्कि सरकार के सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण को भी साकार करती हैं। राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के जरिए कार्यान्वित की जाने वाली इस योजना में हर साल एक लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त होते हैं, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) पारदर्शी और समय पर उसका वितरण सुनिश्चित करता है। स्वास्थ्य योजना के तहत हृदय रोग, किडनी प्रत्यारोपण, कैंसर, टीबी और छोटी सर्जरी जैसी गंभीर बीमारियों के लिए बतौर आर्थिक सहायता छोटी सर्जरी के लिए 30,000 रुपये से लेकर कैंसर के इलाज के लिए 7.5 लाख रुपये तक दिए जाते हैं, जिससे कम आय वाले श्रमिकों के लिए जीवन रक्षक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सुनिश्चित होती है।

ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज को 1,000 करोड़ रुपये के आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली। कोलकाता स्थित ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 1,000 करोड़ रुपये जुटाने की है। ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज के इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। कोलकाता स्थित ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष 20 जनवरी, 2025 को अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। कंपनी का 5 रुपये अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ 600 करोड़ रुपये तक के शेयरों के नए निर्गमों और देवेंद्र गोयल द्वारा 300 करोड़ रुपये तक और जय गोयल के द्वारा 100 करोड़ रुपये तक के बिक्री प्रस्ताव का मिश्रण है। कंपनी की योजना

नए निर्गम से प्राप्त राशि 420 करोड़ रुपये का उपयोग कुछ बकाया उधारों के पूर्ण या आंशिक रूप से पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान करने की है। इसके अलावा कंपनी 15.08 करोड़ रुपये का उपयोग उपकरण और मशीनरी की खरीद, सिविल कार्यों और मौजूदा विनिर्माण सुविधा के आंतरिक विकास तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए पूंजीगत व्यय के लिए करेगी। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और मोनार्क नेटवर्क कैपिटल लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है।

फातिमा सना शेख संग रोमांस करेंगे आर. माधवन, फिल्म 'आप जैसा कोई' का ऐलान

बॉलीवुड एक्टर्स आर. माधवन और फातिमा सना शेख जल्द ही फिल्म 'आप जैसा कोई' नामक रोमांटिक ड्रामा फिल्म में नजर आएंगे। 11 जुलाई से ओटीटी पर स्ट्रीम होने जा रही 'आप जैसा कोई' एक दिल को छू जाने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसमें पुराने दौर की मासूम मोहब्बत और आज के रिश्तों की जटिल भावनाएं एक-दूसरे से टकराती हैं। यह फिल्म सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं, बल्कि बराबरी और समझदारी पर टिके रिश्ते की तलाश की भावुक यात्रा है। एक संकोची, परंपरागत संस्कृत शिक्षक के किरदार में आर. माधवन पूरी संवेदनशीलता के साथ नजर आएंगे। फातिमा सना शेख बेबाक फ्रेंच टीचर मधु का किरदार निभा रही हैं, जो जीवन को खुलकर जीने में विश्वास रखती है। जब ये दो बिल्कुल अलग दुनिया वाले लोग टकराते हैं, तो जन्म लेती है एक ऐसी प्रेम कहानी जो सिर्फ दिलों को नहीं जोड़ती, बल्कि आत्म-खोज, परिवार और अपनापन की गहराई में भी उतरती है। 'आप जैसा कोई' का निर्देशन विवेक सोनी ने किया है, जो इससे पहले मीनाक्षी सुंदरेश्वर जैसी चर्चित फिल्म के लिए नेटफ्लिक्स के साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म का निर्माण धर्मॉटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले हुआ है, जो धर्मा प्रोडक्शंस की डिजिटल शाखा है। निर्माता करण जौहर, आदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और सोमेन मिश्रा इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। निर्देशक विवेक सोनी के अनुसार 'आप जैसा कोई' एक ऐसी कहानी है जो उन भावनात्मक दीवारों को गिराने की बात करती है, जिन्हें हम अनजाने में अपने चारों ओर खड़ा कर लेते हैं। यह फिल्म सच्चे रिश्तों में मौजूद झिझक, उलझनों और ईमानदारी को बखूबी दर्शाती है। माधवन और फातिमा ने अपने किरदारों को इतनी संवेदनशीलता और गहराई से निभाया है कि यह कहानी आज के दर्शकों के दिल को छू जाती है।

हाउसफुल 5 150 करोड़ी बनने से महज इतने कदम दूर, ठग लाइफ हुई बुरी तरह फुस्स

अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 सिनेमाघरों में लगी हुई है। फिल्म की रिलीज को 9 दिन हो चुके हैं और बॉक्स ऑफिस पर यह ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। भू2 क्लाइमैक्स के साथ सिनेमाघरों में उतरी हाउसफुल 5 लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइजी हाउसफल की पांचवीं किस्त है। कई बॉलीवुड सितारों से सजी इस फिल्म ने 6 जून को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया था। आइए फिल्म की अब तक की कुल कमाई जानते हैं। बॉक्स ऑफिस का लेखा-जोखा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म को करीब 225 करोड़ रुपये के बजट में तैयार किया गया है। जहां 8वें दिन इसने भारत में 6 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं 9वें दिन फिलम की कमाई में उछाल देखने को मिला। इसने अपनी रिलीज के दूसरे शुक्रवार को 9.77 करोड़ रुपये अपने खाते से जोड़े। फिल्म दुनियाभर में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। हाउसफुल 5 भारत में अपने अगले लक्ष्य 150 करोड़ की ओर तेजी से बढ़ रही है। फिल्म ने 9 दिनों के अंदर कुल 143.15 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। संभावना है कि अगले सप्ताह के शुरुआती दिनों में ही यह इस आंकड़े को पार कर देगी। हालांकि, 20 जून को आमिर खान की सितारे जमीन पर सिनेमाघरों में आ रही है। अगर इसे रिव्यू अच्छे मिले तो हाउसफुल 5 के लिए आगे की राह मुश्किल हो सकती है। हाउसफुल 5 के निर्देशन की कमान तरुण मनसुखानी ने संभाली है. इस फिल्म में अक्षय के अलावा रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त, सोनम बाजवा, जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी, जॉनी लिवर, डिनो मोरिया जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। फिल्म में खासतौर से अक्षय और रितेश की कॉमिक टाइमिंग की खूब तारीफ हो रही है।

दो बार हुआ था ब्रेस्ट कैंसर, दिग्गज अदाकारा अरुणा ईरानी ने खुद किया खुलासा

करीब 80 साल की उम्र में भी अरुणा ईरानी न सिर्फ फिट नजर आती हैं, बल्कि लगातार सक्रिय रूप से काम भी कर रही हैं। 500 से ज्यादा फिल्मों और कई टीवी शोज में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकीं इस जानी-मानी अदाकारा ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। अरुणा ने बताया कि उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार ब्रेस्ट कैंसर का सामना करना पड़ा। 'बॉम्बे टू गोवा', 'कारवां' जैसी यादगार फिल्मों का हिस्सा रहीं अरुणा ने यह भी बताया कि 60 की उम्र में उन्हें डायबिटीज का पता चला और एक वक्त ऐसा भी आया जब उनकी दोनों किडनियों ने काम करना बंद कर दिया था। इन तमाम मुश्किलों के बावजूद अरुणा ईरानी आज भी मजबूत और प्रेरणादायक बनी हुई हैं। कैंसर से अपनी जंग को लेकर अरुणा ईरानी ने 'लेहरेन' को दिए एक इंटरव्यू में भावुक खुलासा किया। उन्होंने बताया, "एक दिन मैं शूटिंग कर रही थी और अचानक मुझे कुछ अजीब महसूस हुआ। मुझे समझ नहीं आया कि क्या हो रहा है, लेकिन अंदर से महसूस हुआ कि कुछ ठीक नहीं है।" यही वह पल था जब अरुणा को पहली बार पता चला कि उन्हें ब्रेस्ट कैंसर है। उनकी यह संवेदना ही बीमारी की शुरुआती पहचान बन गई, जिसने उन्हें समय रहते सचेत कर दिया। अरुणा ईरानी को कैंसर होने का पता चला इसके बाद अरुणा ईरानी डॉक्टर के पास गईं, लेकिन शुरुआत में उन्होंने इसे हल्की सी गांठ समझकर नजरअंदाज कर दिया। उन्हें लगा कि ये कोई गंभीर बात नहीं है। हालांकि, जब जांच में पता चला कि यह गांठ कैंसर है, तो उन्होंने कोई जोखिम न लेते हुए तुरंत इसे हटवाने का फैसला किया। डॉक्टरों ने कीमोथेरेपी की सलाह दी, लेकिन अरुणा ने इससे इनकार कर दिया।

मेरी गुनगुनाहट से ही एआर रहमान ने बना लिया था पूरा गाना: जोनिता गांधी

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान के साथ काम करने के अनुभव को के साथ साझा किया। सिंगर ने बताया कि एक बार उन्होंने रहमान के एक गाने के लिए रिकॉर्डिंग से पहले केवल रिहर्सल के तौर पर कुछ पंक्तियां गुनगुनाई थीं। लेकिन यह साधारण-सी गुनगुनाहट ही रहमान को इतनी पसंद आई कि उन्होंने उसी को असली गाने में शामिल कर लिया। जोनिता गांधी ने से बात करते हुए बताया, मैंने उनके साथ कुछ ऐसे गाने पर काम किया है, जिन्हें पहले से ही किसी गायक ने गाया हुआ था। ऐसे में मुझे उन गानों में बस अपने अंदाज में गाना होता था। यह काम करने का सबसे सीधा तरीका होता है। लेकिन जब गाने को बनाने की बात आती थी, तो कुछ चीजें अव्यवस्थित होती थीं। मजेदार किस्सा बताते हुए उन्होंने कहा, मुझे याद है कि जब फिल्म हाईवे का म्यूजिक रिलीज हो रहा था, तो उन्होंने कहां हूं मैं गाना गाया था। लेकिन बाद में जब एल्बम आई, तो मुझे पता चला कि एक और गाने में मेरा नाम दिया गया है, जबकि वह गाना मैंने गाया ही नहीं था। जोनिता ने बताया कि इससे वह थोड़ी परेशान और उलझन में आ गईं। उन्हें लगता है कि कहीं गलती से उनका नाम तो नहीं जोड़ दिया गया या कोई गलतफहमी तो नहीं हुई। जोनिता ने आगे कहा, जब मैंने एल्बम की लिस्ट देखी, तो उसमें एक और गाना था- इम्प्लोसिव साइलेंस, और उसमें सिंगर के तौर पर नाम जोनिता गांधी लिखा था। मैं हैरान रह गईं। मैंने टीम से कहा, यह मैं ही हूं, लेकिन मैंने यह गाना नहीं गाया है। मैंने सिर्फ कहां हूं मैं गाना रिकॉर्ड किया था। फिर टीम ने मुझे बताया कि इस गाने में उन्होंने मेरी आवाज का इस्तेमाल किया है, वह असल में उसी गाने की रिकॉर्डिंग से ली गई है जब मैं कहां हूं मैं की धुन सीख रही थी। उन्होंने आगे बताया, मैं उस समय सिर्फ गुनगुना रही थी, लेकिन ए.आर. रहमान ने उसी रिकॉर्डिंग से एक नया गाना बना दिया। रहमान के साथ ऐसा अक्सर होता है, वह एकदम अचानक किसी चीज को लेकर कुछ भी बना सकते हैं। यही उनकी रचनात्मकता की खासियत है।

थम्मुडु की रिलीज डेट से उठा पर्दा, 4 जुलाई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए मशहूर लोकप्रिय प्रोडक्शन हाउस श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस अब युवा स्टार नितिन और वकील साब और एमसीए फेम के निर्देशक श्रीराम वेणु के शानदार संयोजन में एक मनोरंजक फिल्म लेकर आ रहा है। थम्मुडु नामक फिल्म दिलराजू-शिरीष द्वारा वित्तपोषित एक प्रतिष्ठित परियोजना है।

फिल्म में लय, वर्षा बोलम्मा, स्वासिका और सप्तमी गौड़ा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। निर्देशक श्रीराम वेणु के जन्मदिन के अवसर पर आज टीम ने आधिकारिक तौर पर रिलीज की तारीख की घोषणा की - थम्मुडु 4 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आएगी। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए एक रचनात्मक रूप से बनाया गया, मनोरंजक घोषणा वीडियो भी जारी किया गया। निर्माताओं ने मजेदार और अनोखे तरीके से रिलीज की तारीख की घोषणा की योजना बनाई। वीडियो में, विभिन्न भाषाओं के कलाकार जो फिल्म का हिस्सा हैं - स्वासिका विजयन, वर्षा बोलम्मा, सप्तमी गौड़ा, लय और बेबी श्रीराम दीत्या - निर्देशक श्रीराम वेणु से मिलने जाते हैं। जबकि वह यह मानता है कि वे उसे जन्मदिन की शुभकामनाएं देने आए हैं, लेकिन इसके बजाय वे उस पर फिल्म की रिलीज की तारीख और प्रचार के बारे में सवालों की बौछार कर देते हैं।

टॉलीवुड में लंबे ब्रेक के बाद वापसी कर रहीं दिग्गज अभिनेत्री लाया ने मजाकिया अंदाज में शिकायत की कि उनका पोस्टर भी अभी तक रिलीज नहीं हुआ है। अभिभूत निर्देशक ने कहा कि वह उन्हें बाद में सूचित करेंगे। वीडियो का समापन निर्माता दिलराजू और शिरीष द्वारा श्रीराम वेणु के जन्मदिन का जश्न मनाने और 4 जुलाई को आधिकारिक तौर पर रिलीज की घोषणा करने के लिए केक काटने के साथ होता है। हास्यपूर्ण और अभिनव वीडियो ने दर्शकों को प्रभावित किया है।

हीरो नितिन और निर्देशक श्रीराम वेणु श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के साथ एक मजबूत रिश्ता साझा करते हैं। नितिन ने पहले दिल और श्रीनिवास कल्याणम जैसी फिल्मों के लिए बैनर के साथ काम किया था, जबकि श्रीराम वेणु ने नानी के साथ एमसीए और पावर स्टार पवन कल्याण अभिनीत वकील साब जैसी हिट फिल्में दी थीं। थम्मुडु के लिए इन तीनों की टीम के साथ, फिल्म ने फिल्म प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया है। निर्देशक श्रीराम वेणु इस परियोजना के साथ एक यादगार सिनेमाई अनुभव देने का लक्ष्य बना रहे हैं।

डीप नेक बॉडीकॉन ड्रेस में अवनीत कौर ने दिखाया हॉट अंदाज़

इंटरनेट पर मचाया तहलका

टीवी से लेकर फिल्मों तक अपने अभिनय और स्टाइल से फैंस का दिल जीतने वाली अवनीत कौर ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह डीप नेक ब्राउन बॉडीकॉन ड्रेस में बेहद ग्लैमरस और बोल्ड नजर आ रही हैं. इस फोटोशूट में अवनीत खुले बालों, न्यूड मेकअप और न्यूड नेल्स के साथ एक कॉन्फिडेंट और एलिगेंट अंदाज में दिखाई दीं. एक्ट्रेस ने इस पोस्ट में कुछ कहने की बजाय केवल दिल वाले इमोजी कैप्शन में डाले, लेकिन उनके लुक ने इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है. इस पोस्ट पर अब तक डेढ़ लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और फैन्स से लेकर सेलेब्स तक सभी उनके लुक की तारीफ कर रहे हैं. किसी ने लिखा, हे भगवान्, बहुत सुन्दर!! तो किसी ने कहा, हे मेरे परमदेव! अवनीत कौर की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं और उनके बोल्ड अवतार को लोग खूब पसंद कर रहे हैं.

अनंतिका सानिलकुमार की फिल्म 8 वसंतालु का ट्रेलर रिलीज़, 20 जून को होगी रिलीज़

जैसे-जैसे रिलीज़ की तारीख नज़दीक आ रही है, 8 वसंतलु के निर्माता नियमित अपडेट के साथ आ रहे हैं। प्रमुख पैन-इंडिया प्रोडक्शन हाउस माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित, इस फिल्म का निर्देशन फणींद्र नरसेट्टी ने किया है और इसमें अनंथिका सानिलकुमार मुख्य भूमिका में हैं। इसे नवीन यरनेनी और वाई. रविशंकर ने प्रोड्यूस किया है। इसकी झलकियाँ, टीज़र और गानों ने काफ़ी चर्चा बटोरी। आज, वे फिल्म का थिएट्रिकल ट्रेलर लेकर आए।

ट्रेलर की शुरुआत एक ऐसे दृश्य से होती है जिसमें अनंथिका के किरदार को अपने पिता की चिता को जलाने का अधिकार नहीं दिया जाता है, यह एक ऐसा क्षण है जो परंपरा में निहित है, फिर भी कच्ची भावनाओं से चुनौती दी गई है। पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों पर उनका सवाल, क्या एक बेटी अपने पिता को मोक्ष नहीं दिला सकती?, एक ऐसी फिल्म की टोन सेट करता है जो न केवल एक महिला की यात्रा के बारे में है, बल्कि लंबे समय से चली आ रही सामाजिक वर्जनाओं का सामना करने के बारे में भी है। इसके बाद बदलाव की कहानी है। हम उसे अपने पिता से मार्शल आर्ट में प्रशिक्षित होते हुए देखते हैं, जो खुशी, प्यार, दिल टूटने और अन्याय के दौर से गुज़रती है। आठों सीज़न में से हर सीज़न, वसंतलु उसके विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ को दर्शाता है। ट्रेलर में एक दुखी बेटी से एक उग्र महिला में उसके परिवर्तन को चतुराई से दर्शाया गया है, जो उन्हीं मानदंडों के खिलाफ़ लड़ती है, जिन्होंने कभी उसे चुप करा दिया था।

अनंथिका सानिलकुमार ने एक ऐसा अभिनय किया जो भावनात्मक गहराई और शारीरिक तीव्रता के बीच संतुलन बनाता है। वह सूक्ष्मता के साथ कमजोरी और दृढ़ विश्वास के साथ ताकत को दर्शाती है, खासकर एक स्थानीय मटन की दुकान में सेट किए गए एक मनोरंजक एक्शन सीक्वेंस में, जो उसके आंतरिक विद्रोह के लिए एक दृश्य रूपक के रूप में सामने आता है। उसका चित्रण जीवंत, कच्चा और ताज़ा रूप से वास्तविक लगता है। हनु रेड्डी और रवितेजा दुग्गीराला, महत्वपूर्ण भूमिकाओं में, मजबूत समर्थन देते हैं और कथा में परतें जोड़ते हैं। उनकी उपस्थिति जैविक और सार्थक लगती है, जो केंद्रीय चरित्र के आसपास की दुनिया को समृद्ध करती है। निर्देशक फणीन्द्र नरसेट्टी, जो अपनी कहानी कहने की गहराई के लिए जाने जाते हैं, कथा में एक काव्यात्मक लेकिन जमीनी दृष्टिकोण लेकर आए हैं।

कहानी कहने में विश्वनाथ रेड्डी की भावपूर्ण सिनेमैटोग्राफी ने चार चांद लगा दिए हैं, जो शांत आत्मनिरीक्षण से लेकर विस्फोटक टकराव तक हर भावनात्मक धड़कन को बखूबी से कैद करती है। भावनात्मक कोर में हेशम अब्दुल वहाब का भावपूर्ण स्कोर भी शामिल है, जो नायक के उतार-चढ़ाव के लिए एक आत्मा को झकझोर देने वाला साथी है। माइथ्री मूवी मेकर्स के प्रोडक्शन वैल्यू उल्लेखनीय हैं। प्रोडक्शन डिजाइन अरविंद मुले ने किया है। शशांक माली संपादक हैं, जबकि बाबासाई कुमार ममीदिपल्ली कार्यकारी निर्माता हैं। अपनी बोल्ड स्टोरीटेलिंग, दमदार विजुअल्स और छाप छोड़ने वाले अभिनय के साथ, 8 वसंतलु एक मार्मिक सिनेमाई अनुभव प्रतीत होता है। यह दृश्यात्मक रूप से काव्यात्मक और भावनात्मक रूप से शक्तिशाली गाथा 20 जून को रिलीज़ होने वाली है।

डिटेक्टिव शेरदिल का ट्रेलर जारी, अनोखे जासूस की भूमिका में नजर आए दिलजीत दोसांझ

अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ फिल्म 'डिटेक्टिव शेरदिल' में एक प्रतिभाशाली अन्वेषक की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म में डायना पेंटी, बोमन ईरानी, रत्ना पाठक शाह, चंकी पांडे, सुमीत व्यास, बनिता संधू, कश्मीरा ईरानी और अन्य जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं। ट्रेलर के अनुसार, वैश्विक आइकन दोसांझ को एक अरबपति व्यवसायी और उसके परिवार से जुड़े हत्या के मामले को सुलझाने का काम सौंपा गया है। डिटेक्टिव शेरदिल के निर्माताओं द्वारा साझा किए गए प्रेस नोट के अनुसार, फिल्म की कहानी एक तेजतर्रार अरबपति व्यवसायी (बोमन ईरानी द्वारा अभिनीत) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी बुडापेस्ट में जघन्य तरीके से हत्या कर दी गई थी। इसके बाद ट्रेलर में दिलजीत दोसांझ को जासूस शेरदिल के रूप में पेश किया गया है, जो एक अपरंपरागत अन्वेषक है, जो हत्या के मामलों को सुलझाने में माहिर है। उसके साथ नताशा (डायना पेंटी) है, जो एक संतुलित और प्रतिभाशाली अन्वेषक है, जिसका दिमाग उतना ही तेज है जितना कि उसका व्यक्तित्व। जैसे-जैसे दोनों पारिवारिक रहस्यों, विश्वासघात और अरबों डॉलर के इरादों के पेचीदा जाल में गहराई से उतरते हैं, मामला और भी पेचीदा और अप्रत्याशित होता जाता है, जैसा कि ट्रेलर में दिखाया गया है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, धोखे का एक दिलचस्प खेल सामने आता है, जहां हर संदिग्ध के पास कोई न कोई रहस्य छिपा होता है, जो कहानी का रुख बदल देता है।

Minor girl raped, doctor refuses to examine her citing time

Serious negligence of the government machinery came to the fore in a sensitive matter

Korba: Once again, serious negligence of the government machinery has come to light in a sensitive matter in the district. After the incident of rape of a minor girl, when the police took her to the hospital for medical examination, the doctor refused to conduct the examination citing duty hours. According to the information received, a case of rape of a minor girl has come to light in Korbi outpost area. Taking action in this case, the police took the girl to the community health center of Podi Uparoda for medical examination, but due to the absence of a female doctor there, she was sent to Katghora Community Health Center.

When the police reached Katghora Hospital at around 12.45 pm, the female doctor present there expressed her inability to examine the patient and said that the medical examination may take more than two hours, while her duty ends at 2 pm. She clearly said that she will not do the examination and this work will be done by the visiting doctor. This attitude is not only injustice to a minor victim, but it also exposes the insensitivity and irresponsibility of the health department. In sensitive cases, timely medical examination is necessary for justice to the victim, but the doctor's refusal to test citing duty time shows a serious flaw in the system. The victim kept waiting in the hospital premises for hours, which increased her mental agony even more. During this time, the helplessness of the policemen was also visible, because their efforts also remained incomplete due to lack of medical support. This case has once again raised the question whether government doctors are limited only to the limits of their duty? Do human values and social duties have no role left in sensitive cases? However, no clear statement has come from the health department on this entire issue so far. The question also arises whether any action will be taken against such doctors who turn away from sensitive cases by making an excuse of their duty instead of understanding the condition of the victim? In cases like rape, timely medical examination is extremely important from the legal point of view. Delayed examination can not only affect the evidence but also hinder the judicial process. This incident is not just an example of administrative negligence, but also shows that when society needs sensitivity the most, the responsible people of our system back away from their duties. Now it remains to be seen how seriously the administration takes this matter and what action is taken against the negligent doctor.

Villagers upset with the attitude of Navapara Panchayat Secretary

Korba: While on one hand the rural people are dependent on the Panchayat secretaries for their Panchayat based works, on the other hand the attitude of the Secretary of Navapara Panchayat of Podi Uparoda development block, Rameshwar Prasad Rajwada has troubled the people. The villagers allege that Secretary Rajwada regularly reaches the Panchayat Bhawan in an inebriated state and sleeps there most of the time. Local residents say that when the secretary is asked for information about any work or document, he gets angry and behaves rudely. Such incidents of negligence have now become common. Earlier also, a video of the secretary sleeping in the Panchayat Bhawan in an inebriated state had gone viral, which was recorded by the villagers. Now once again a similar video has surfaced, which has further increased the resentment in the village. Villagers say that this problem is not limited to Navapara only. In other Gram Panchayats of Podi Uparoda development block, many secretaries are notorious for such irresponsible attitude. They do not seem to be concerned with Panchayat work and public welfare. Despite complaints, the administration pacifies the matter by just issuing a formal notice. One reason for the laxity in the action of the officials is the acute shortage of secretaries. In many Panchayats, a single secretary has been given the responsibility of two to three Gram Panchayats. In such a situation, officials say that if a secretary is dismissed, then the Panchayat work can be completely affected. However, the villagers argue that when a secretary is not performing his duties, the panchayat funds are being misappropriated and the public is not getting any benefits, then the presence or absence of such a secretary does not make any difference. On the contrary, in their presence the possibility of misappropriation of panchayat funds and irregularities increases. The villagers have demanded from the administration that strict action should be taken against such careless and corrupt secretaries, so that the public's faith in the panchayat system can be restored.

Supreme Court unhappy with the ban on thug life in Karnataka, reprimanded the High Court

New Delhi, Kamal Haasan's film Thug Life was released in theaters on June 5, but it was not released in Karnataka due to the Kannada-Tamil comment controversy. Now the Supreme Court has criticized the Karnataka High Court for banning Thug Life. The Supreme Court said that Thug Life should be released in the state.He also said that mobs and vigilantes cannot be allowed to occupy the streets. The Supreme Court said, if someone has made a statement, you can answer it with another statement. According to the law, the film should be released in every state after getting

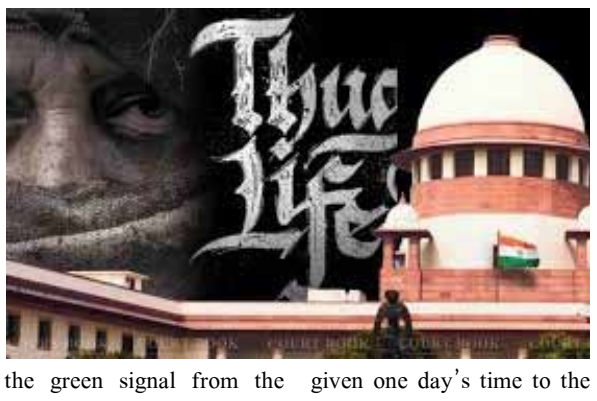

the green signal from the censor board. Crowds and vigilantes cannot be allowed to occupy the streets. On Thug Life not being released in Karnataka, the court said, intimidating people, threatening to burn down theatres cannot be tolerated. The Supreme Court has given one day's time to the Karnataka government to give information about the release of Thug Life in the state. It also said that the rule of law should be established in the state. Kamal had said in the program Thug Life that Kannada language originated from Tamil, after which pro-Kannada organizations protested strongly. Later, the Karnataka Film Chamber of Commerce banned the release of the film in the state. Talking about Thug Life, Mani Ratnam has taken the command of directing this film. Mani Ratnam has written the story of the film along with Kamal, while both of them are also co-producers of this film. Apart from Kamal, the film also features Silambarasan, Aishwarya Lekshmi, Trisha Krishnan and Abhirami. According to box office tracker Sakcinlk, Thug Life has so far earned Rs 46.84 crore at the box office.

AHMEDABAD-LONDON AIR INDIA FLIGHT CANCELED DUE TO TECHNICAL FAULT

IndiGo flight makes emergency landing in Nagpur

New Delhi, An Air India flight from Ahmedabad in Gujarat to London was cancelled on Tuesday due to a technical fault. Air India flight AI-159 arrived in Ahmedabad from New Delhi on Tuesday and was scheduled to take off for London at 1:10 pm. This is the second time an Air India flight to London has malfunctioned. Earlier, on June 12, a plane crashed, killing 274 people. According to the report, the aircraft flying on the Ahmedabad-London route is also a Boeing 787-8 Dreamliner. This is the same model that was involved in the Air India accident on June 12. Flight AI-171 on this route has been changed to AI-159. On Tuesday morning, news came that the San Francisco-Mumbai Air India flight was detected with a technical fault in its left engine after

landing in Kolkata. Due to this, the passengers were deboarded from the aircraft and the problem was worked upon for about 3 hours. On Monday, the Delhi-Ranchi Air India Express flight was diverted to Delhi due to a technical problem. Earlier, the Hong Kong-Delhi Air India AI-315 flight of Boeing 787-8 Dreamliner returned back to Hong Kong due to a technical problem. An IndiGo flight coming from Kochi in Kerala to Delhi was made to make an emergency landing in Nagpur, Maharashtra after receiving a bomb threat. IndiGo flight 6E 2706, which took off from Kochi airport at 9:20 am, was scheduled to land in Delhi at 12:35 pm but was diverted to Nagpur due to the threat and the passengers were disembarked safely. The matter was serious as the flight number was mentioned in the threat. Further investigation is underway. On Thursday, June 12, Air India AI-171, a Boeing Dreamliner flying from Ahmedabad airport to London, crashed within seconds after hitting the hostel of BJ Medical College. At the time of the accident, there were 242 passengers, 2 pilots and 10 crew members on board the plane, of which only one passenger survived. Former Gujarat Chief Minister Vijay Rupani also died in the accident.

BALCO strengthened the concept of safe workplace

Korba: Balco has reiterated its commitment to a safe workplace by digitizing, strengthening safety standards and also encouraging a sense of responsibility towards safety among employees and transport partners. Monthly discussions and awareness programs throughout the plant further strengthen the safety culture. AI-powered monitoring systems and digital safety displays have strengthened the company's commitment to a zero-loss philosophy by identifying risks and ensuring compliance with safety rules.The company is fully committed to the safety and well-being of its employees along with industrial development. Training sessions and seminars were organised to promote a safe workplace. The aim was to increase road safety awareness among various transport partners operating in the plant premises. More than 50 transport partners involved in the transportation of coal and ash participated actively. Transporters were made aware of important road safety measures and encouraged to

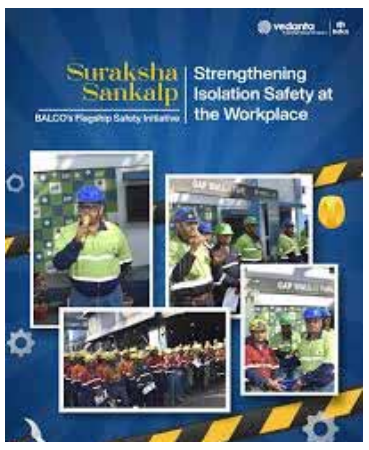

follow safety protocols. Along with this, the company has launched ISO 39001 Road Traffic Safety Management System (RTS) which aims to improve transport safety at all levels within the organization. Under the campaign, focused training was provided on identifying road related risks, legal compliance, and best safety practices. Along with this, the company organized Incident Investigation Training to investigate and analyze potential incidents in depth. Its purpose was to identify the root causes of incidents, implement effective preventive measures and provide participants with the necessary investigation skills to reduce risks and improve safety at the workplace. The company has ensured employee safety through digitalization, which enables operations to be conducted safely and efficiently. ARVR training in critical areas such as the potline has enabled employees to prepare for complex tasks in a safe and controlled environment. Material movement and cast house operations are managed with greater transparency and efficiency through real-time dashboards and automated tracking systems. Digital tools from inventory processing to interlock protection help the team make faster decisions, identify risks and reduce workplace stress. Advanced AI-based technology has also played a vital role in enhancing the quality of anode manufacturing in BALCO's furnaces. This robot-based technology automatically tests the refractory structures of the furnace, accurately detecting wear and damage. This has improved the quality of anodes and also ensured safety of operations. The AI-powered conveyor belt monitoring system implemented in BALCO's 1200 MW power plant enhances both safety and efficiency. The system provides conveyor health checks, real-time fire alerts and detects human presence near the operation belt, thereby ensuring safe operations. The use of technology has now become an integral part of the production of aluminium, the 'metal of the future', which enhances its safety. Digitalisation of 62 processes has replaced manual tasks with real-time data collection, making efficient use of resources possible and decision-making more data-driven. Ensuring a balance between human and machine interaction has strengthened safety standards. BALCO has strengthened its commitment to safety, sustainability and operational excellence.

Taxpayers are facing problems in paying taxes due to non-updating of the website of Municipal Corporation Revenue Department

Raipur, Due to the website of the Revenue Department not being updated in Raipur Municipal Corporation, the taxpayers are facing problems in their work related to the market department including tax and cow license. The work in all the zone offices of the Municipal Corporation has been affected for the last two months. Even in the customer service centers located in the Municipal Corporation zone offices, the employees posted there are not providing any information in this regard to the taxpayers. In this regard, the representative made several inquiries from Revenue Inspector MR Dhiwar and Assistant Revenue Inspector Mahendra Verma of the Revenue Department. Both the officers clearly said that there is no order from above and not only in Municipal Corporation Zone Office 4 but in any zone office, Gomasta license and other work is not being done. In this regard, the representative went to the zone office at least ten times in the last two months to get the Gomasta license related to his institution made and enquired from these two officers but every time he got an uncertain answer. There is a lot of anger among the taxpayers due to the disruption in work in all the zone offices including Zone Office No. 4. The taxpayers have demanded from Mayor Meenal Choubey and Municipal Corporation Commissioner to immediately update the website of the Revenue Department and give immediate instructions to the zone commissioners to get residential and commercial Gomasta licenses made.

Accused arrested for cheating 5.38 lakhs on the pretext of giving job

Raipur, Police has arrested Mukesh Kumar Sahu, the accused who duped a woman of Azad Chowk police station area of lakhs of rupees in the name of getting her a job. The accused deceived the woman by claiming to be posted as a clerk in SECL and falsely assured her of getting a job. This case is of September 2024, when the victim got in touch with Mukesh through an online marriage proposal and the conversation started between the two. During the conversation, the accused took a total of Rs 5,38,000 in different installments by taking the woman into confidence and promising her a job. After this, the

accused switched off his mobile number and broke contact with the woman. On the complaint of the victim, a case was registered in Police Station Azad Chowk under Crime No. 72/25, Section 318 (4) B.N.S. Under the guidance of senior officers, the police team led by police station in-charge Azad Chowk gathered information about the mobile number and bank accounts of the accused through technical analysis. After intensive research and continuous efforts, the accused's location was traced and he was arrested. During interrogation, the accused confessed to committing the crime. Police have recovered Rs 25,000 in cash and two mobile phones from the possession of accused Mukesh Kumar Sahu. Legal action has been taken against the accused and he has been included in the judicial process.

For the understanding of the general public and the victim, simple Hindi will be used instead of difficult Urdu-Persian words in the working system of Chhattisgarh Police - Home Minister Vijay Sharma

Difficult Urdu-Persian words will be replaced by simple Hindi in police functioning

Dhamtari, An important step has been taken towards making the state's police system more accessible, transparent and communicable. After the instructions of Deputy Chief Minister and Home Minister Shri Vijay Sharma, now difficult, traditional and incomprehensible Urdu-Persian words used in the state's police system will be removed and simple and popular Hindi words will be used in their place. Deputy Chief Minister Vijay Sharma has clearly said that when a common citizen goes to the police station for any complaint, crime

information or other work, he is often confused about the language of the FIR or other documents filed by the police. Words in other languages are unfamiliar to common people, due to which they are neither able to explain their point properly nor understand the entire process properly. He said that if the purpose of the police is to help and protect the citizens, then its language should also be such that it is understood by the citizens and increases their confidence. As per the instructions of the Deputy Chief Minister, an official letter has been issued by the Director General of Police to the Superintendents of Police of all districts, in which it has been clearly instructed that the difficult, traditional words used in practical police operations should be changed to simple and clear Hindi. For this, a word list has also been prepared, in which simple alternatives have been suggested to be used in place of old difficult words.It has also been directed in this letter that all the subordinate officers should be made aware of this matter and it should be ensured that this order should not remain a mere formality but its actual implementation should be seen in every police post, police station and office of the state.Chhattisgarh Police will now not only become an institution that enforces law but will also become a medium of public communication. This simplification of language will help the complainant to clearly state, hear and understand his case. Procedures like FIR, which till now was understood only by advocates or police personnel, will now be understandable to the common citizen as well.